तापमान
अधिकतम 39 .0 डिग्री
न्यूनतम 24 .0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 20 अप्रैल 2025

11 गुरु तेग बहादुर ने प्रेम और त्याग के जीवन जीने...

11 डिप्टी स्पीकर ने प्रतिभावान छात्रों को किया सम्मानित

खबर संक्षेप

अवैध असलहा के साथ एक चढ़ा पुलिस हत्थे

जींद। सदर थाना सफीदों पुलिस ने गांव सिंघाना के निकट एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से एक पिस्तौल बरामद किया है। सदर थाना सफीदों पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव सिंघाना निवासी सुनील के पास अवैध असलहा है। जो पाजूखुर्द की तरफ से अपने गांव की तरफ आ रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो एक युवक आता दिखाई दिया।

पिकअप गाड़ी की टक्कर से अधेड़ महिला की मौत

कैथल। जाखौली गांव में पिकअप गाड़ी की टक्कर से 50 वर्षीय अधेड़ महिला की मौत हो गई। महिला अपने बेटे और देवर के साथ घर का सामान लेने के लिए गई थी। जैसे ही सड़क पार करने लगी तो उसे गाड़ी ने टक्कर मार दी। इस संबंध में पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के खिलाफ तितरम थाना में केस दर्ज कर लिया है।

बाइक सवार से पांच किलो डोडा पोस्त बरामद

जींद। सीआईए स्टाफ नरवाना ने गांव कालवन के निकट बाइक सवार युवक को काबू कर कब्जे से पांच किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया है। गढ़ी थाना पुलिस पकड़े गए आरोपित से पूछताछ कर रही है।सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी मूलतः गांव अघीनी यूपी हाल उकलाना निवासी विशाल नशीले पदार्थों का कारोबार करता है।

तुरंत किसानों की सुध ले सरकार : रामपाल

कैथल। पूर्व मुख्य संसदीय सचिव रामपाल माजरा ने कहा कि प्रदेश में आए तूफान व बारिश सहित आगजनी के कारण फसलों का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई के लिए सरकार तुरंत विशेष गिरदावरी करवाए। साथ ही किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। माजरा ने कहा कि सरकार किसान हितैषी होने का दावा कर रही है लेकिन वास्तव में किसानों का शोषण किया जा रहा है।

महिला की संदिग्ध मौत पति समेत सात पर केस

जींद। धमतान साहिब में महिला के संदिग्ध हालात में हुई मौत के मामले में गढ़ी थाना पुलिस ने पति समेत सात लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है। मायका पक्ष ने आरोप लगाया है कि दहेज की डिमांड पूरी ने होने पर योजना के तहत हत्या की गई है। गांव धमतान सहिब में शनिवार को विजय की पत्नी राजविंद्र की संदिग्ध हालात में मौत हो गई।

हटाए कर्मचारियों को वापस लेने की मांग

कैथल। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान शिवचरण, जिला सचिव मास्टर रामपाल शर्मा, राज्य उपप्रधान जरनैल सिंह, ने सयुक्त प्रैस विज्ञप्ति जारी करते बताया कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत लगे कर्मचारियों को हटाने के विरोध में और वापस लेने की मांग को लेकर कल 20 को कुरुक्षेत्र स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा।

फर्जीवाडा कर बैंक लोन हड़पने का आरोपी काबू

जींद। शहर थाना सफीदों पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों का सहारा ले बैंक से 20 लाख रुपये का लोन करवा राशि हडपने के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। यूनियन बैंक सफीदों के प्रबंधक दीनदयाल ने गत 21 जनवरी 2022 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था।

अंधड़ से सोलर प्लेटों पर गिरा पड़े, भारी नुकसान

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के गांव पौली में अंधड़ आने के चलते एक पेड़ सोलर की प्लेटों पर जा गिरा जिससे किसान को काफी नुकसान हुआ हैं। गांव पौली निवासी किसान धर्मवीर ने बताया कि उसने अपने खेतों में सोलर प्लेट लगाई हुई हैं जिस पर एक लाख 13 हजार 615 रुपये का खर्चा आया था। गत दिवस को तेज आंधी से पेड़ टूटकर उसकी सोलर प्लेटों पर जा गिरा।

एक कमरा वीआईपी के लिए रहेगा रिजर्व

अब नागरिक अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध होंगे प्राइवेट कमरे, पांच सौ रुपये पर दिन के हिसाब से देना होगा चार्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में मरीजों को अब प्राइवेट कमरे उपलब्ध होंगे। स्वास्थ्य अधिकारियों के दिशा-निर्देशों पर पुरानी बिल्डिंग स्थित तीसरे तल पर यह कमरे तैयार करवाए गए हैं। हालांकि अभी यह कमरे नॉन एसी होंगे लेकिन जैसे ही डिमांड बढ़ती है तो इन कमरों में एसी भी इंस्टॉल करवाए जाएंगे। इन कमरों की सुविधा के लिए मरीज को 500 रुपये प्रतिदिन का चार्ज भी देना होगा। हालांकि पहले यह चार्ज केवल 100 रुपये थे। शनिवार को डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने मरीजों के लिए तैयार किए जा रहे प्राइवेट कमरों का निरीक्षण किया और दिशा-निर्देश दिए।

नागरिक अस्पताल में 200 बैड की सुविधा

,जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल 200 बैड का है। यहां सौ बैड पुरानी बिल्डिंग तथा 100 बैड नई बिल्डिंग में मरीजों के लिए उपलब्ध हैं। काफी समय पहले केवल सौ रुपये में मरीजों को प्राइवेट कमरे उपलब्ध होते थे लेकिन डिमांड न होने के चलते इन कमरों की लोग सुविधा नही ले रहे थे। उच्च स्वास्थ्य अधिकारियों ने निर्देश दिए कि अस्पताल में आने वाले मरीजों के लिए प्राइवेट कमरे तैयार करवाए जाएं ताकि जिन्हें इन कमरों की जरूरत हैं वो ले सकें।

पुरानी बिल्डिंग के तीसरे तल पर तैयार करवाए कमरे

उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर पुरानी बिल्डिंग के तीसरे तल पर पांच कमरों को तैयार करवाए है। कमरों में अटैच बाथरूम हैं और बैड लगवाए हैं। इन पांच कमरों में से एक कमरा वीआईपी के लिए रिजर्व रहेगा ताकि कोई भी इमरजेंसी आती है तो प्राइवेट कमरे की सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। शनिवार को स्वास्थ्यकर्मी इन कमरों को तैयार करने में लगे रहे। यहां नए बैड, पर्दे व वॉशरूक को सही करवाया गया ताकि मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो।

जींद। प्राइवेट कमरों को लेकर दिशा-निर्देश देते डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला। *फोटो :हरिभूमि*

अगर डिमांड बढ़ी तो एसी भी इंस्टॉल करवाए जाएंगे: भोला

नागरिक अस्पताल के डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने बताया कि प्राइवेट कमरों के लिए लगातार डिमांड आ रही थी। जिसे उच्च अधिकारियों से अवगत करवाया गया था। उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर पांच कमरों को तैयार करवाया गया है। जो 500 रुपये के प्रतिदिन चार्ज पर मरीजों के लिए उपलब्ध होंगे। अगर डिमांड बढ़ती है तो यहां एसी भी इंस्टॉल करवाए जाएंगे। कमरों में अटैच बाथरूम हैं और बैड लगवाए हैं। इन पांच कमरों में से एक कमरा वीआईपी के लिए रिजर्व रहेगा ताकि कोई भी इमरजेंसी आती है तो प्राइवेट कमरे की सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके।

जींद। तेज आंधी के चलते सड़क पर गिरे पेड़। *फोटो :हरिभूमि*

जींद : बरसात के साथ तेज आंधी से पेड़ और खंभे टूटे

- मौसम के बदले तेवरो ने किसानो को परेशानी मे डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गेहूं फसल का सीजन चरम पर है। मौसम फिर से खतरा बन कर फसलों पर मंडरा रहा है। मौसम के बदले तेवरों ने किसानो को परेशानी में डाला हुआ है। बीती रात बारिश के साथ चली तेज आंधी से कई स्थानों पर पेड़ तथा बिजली के पोल टूट कर गिर गए। कुछ स्थानों पर शनिवार दोपहर को बिजली आपूर्ति बहाल हो पाई। वहीं मंडियों में पड़ी गेहूं भी भीग गई। शनिवार को भी आकाश में बादलों के साथ धूल जमा दिखाई दी। शनिवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 23 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 23 प्रतिशत तथा हवा की गति 13 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। तापमान मे मामूली गिरावट आएगी।

मौसम बना परिवर्तनशील

बीती रात बारिश के साथ चली धूल भरी आंधी के बाद शनिवार को भी आकाश में बादलों के साथ धूल जमा दिखाई दी। जिसके चलते आंधी के आसार भी बने रहे। शनिवार को दिन का आगाज आकाश में छाए हलके बादलों के साथ हुआ। दिन चढने के साथ मौसम का मिजाज गर्म होता चला गया। दोपहर बाद मौसम ने फिर से करवट ली और आकाश में बादलो के साथ धूल भी जमा दिखाई दी।

बीती रात बारिश के साथ चली तेज आंधी से कुछ स्थानों पर पेड़ टूट तथा बिजली के खंभे टूट कर गिर गए। होर्डिंग तथा फ्लैक्स उखड़ गए। बिजली भी गुल हो गई। कुछ स्थानों पर तो शनिवार दोपहर बिजली बहाल हो पाई। मंडियों में खुले में पड़ी गेहूं भी भीग गई। बीती रात जिले में नरवाना तथा अलेवा मे तीन-तीन एमएम बारिश, पिल्लूखेड़ा में दो एमएम, सफीदों में एक एमएम, जींद तथा उचाना मे बूंदाबादी दर्ज की गई।

अनाज मंडी में खुले आसमान के नीचे पड़ा अनाज भी भीगा

अंधड़-आगजनी के कारण सैकड़ों एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख

शुक्रवार को आई आंधी से बरसात से 130 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल तबाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जिले के कई क्षेत्रों में शुक्रवार रात के समय तेज आंधी के बाद जोरदार बारिश हुई। जिससे मंडियों में पड़ा किसानों का गेहूं पानी-पानी हो गया था। शहर की तीनों मंडियों में खुले में पड़ी गेहूं भीग गई और बोरिया भी जलमग्न हो गई। ऐसे में यह प्रशासन के दावों को धोने वाली बारिश थी। तेज आंधी के बाद करीब एक घंटे हुई बारिश से जहां आम लोगों को काफी राहत मिली है। तो दूसरी तरफ उन किसानों की मुसीबत बढ़ गई है। जिनकी फसल अनाज मंडी में पहुंच गई थी या फिर जो फसल कटने वाली थी। पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने से शनिवार को मौसम में एक बार फिर बदलाव आया। प्रदेश के कई जिलों में धूल भरी हवाएं चली और आसमान में बादल छाएंगे। 17 के बाद तापमान में बढ़ोतरी होगी। जिसमें तापमान 40 डिग्री से पार पहुंचेगा। मौसम एक बार फिर से करवट लेगा। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश में शुक्रवार से मौसम में बदलाव होगा। प्रदेश में 18 व 19 अप्रैल को आसमान में बादल छाए रहेंगे और गरज-चमक के साथ बारिश भी होगी। मौसम की मार और प्रशासन की लेटलतीफी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। शुक्रवार को आई आंधी और बारिश ने 130 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल को तबाह कर दिया। वहीं, खुले में रखा करीब 10 लाख टन गेहूं भी भीग था। अंधड़ व आगजनी के कारण पबनावा, फ्रांसवाला में सर्वाधिक गेहू की फसल जलना सामने आया है। आगजानी से पबनावा गांव के किसान पालाराम साधु राम 2.5 एकड़, ऋषि पाल राम सिंह2.5 एकड़, राजेश राम 7 एकड़, बीर सिंह रामचंद्र 2.5, राजू देवाराम 4. एकड़, सुमित सुल्तान 5 एकड़ हिस्मसिंह रामधारी 5 एकड़, भीम सिंह रिसाल सिंह 4 एकड़, गुलाब सिंह लछू राम 7 एकड़, मलखान सिंह लछू राम 3 एकड़, लाभ सिंह लछू राम1 एकड़ तथा सुभा सिंह व सेवा सिंह 3 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।

जुलाना। फानो में लगी आग। *फोटो :हरिभूमि*

सरकार नुकसान की भरपाई करे

भाकियू के प्रदेशाध्यक्ष राजीव आर्य ने बताया कि आगजनी व बरसात के कारण किसानों की छह माह की पसीने की कमाई जलकर राख हो गई। ऐसे में सरकार को चाहिए कि आगजनी व बरसात के कारण किसानों के हुए नुकसान की भरपाई करे ताकि किसान कर्जमंद होने से बच सके।

मौसम में बदलाव की संभावना

कृषि विज्ञान केंद्र के मुख्य समन्वयक डॉ. रमेश चंद्र वर्मा ने बताया कि आगामी दो दिनों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। इसके बाद फिर मौसम बदलने की संभावना है। जहां अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, प्रदेश के अधिकतम तापमान में 1.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जिससे प्रदेश का अधिकतम तापमान सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच गया।

बहादुरगढ़ में साढ़े तीन एकड़ गेहूं की फसल राख

सफीदों। उपमंडल के गांव बहादुरगढ़ में बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट होने से गेहूं की फसल में आग लग गई। आगजनी बहादुरगढ़ निवासी बलजीत की अढ़ाई एकड़ व गांव सिल्लाखेड़ी निवासी दीपक की एक एकड़ गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। किसान बलजीत ने बताया कि उसने गांव बहादुरगढ़ की पंचायत से ठेके पर जमीन ले रखी थी। 18 अप्रैल की सायं को बारिश से पहले आए तूफान की वजह से बिजली की तारों में शॉर्ट सर्किट हो गया। जिस कारण तारों में चिंगारी निकलने लगी और फसल में आग लग गई। आग ने भयंकर रूप ले लिया, क्योंकि तेज हवा चल रही थी। आग को काबू करने के लिए गांव बहादुरगढ़ व सिल्लाखेड़ी के 100 ग्रामीण मौके पर एकत्रित हुए और उन्होंने वृक्ष की टहनियां से आग पर काबू करने का प्रयास किया। सूचना दमकल विभाग को भी दी गई। लेकिन जब तक दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची तब तक किसानों ने व बाद में आई बारिश ने आग को बुझा दिया।

विजिलेंस की टीम ने डीसी के नाम पर चार लाख रुपये की रिश्वत लेते पूर्व पार्षद को किया गिरफ्तार

- आरोपी के बैड व कमरा की अलमारी से 43 लाख 20 हजार रुपये बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

विजिलेंस एसीबी अंबाला की टीम ने शनिवार को पूर्व पार्षद कमल मित्तल डीसी के नाम से 4 लाख की रिश्वत मांगने व प्राप्त करने उपरान्त गुरू तेग बहादुर चौक से रंगे हाथो काबू किया है। शिकायत में आरोप लगाया है कि उसके द्वारा एसबीआई रोड कैथल नजदीक पुराना बस स्टैंड पर वर्ष 2024 में शोरूम नप, कैथल से नक्शा पास करवाकर बनाया । नवंबर 2024

में कमल मित्तल, पूर्व पार्षद, नगर परिषद, कैथल उसके शोरूम पर आया तथा उससे कहने लगा कि आपके द्वारा जो यह शोरूम बनाया है वह नक्शा मुताबिक नही बनाया है। मैने तुम्हारे द्वारा बनाए शोरूम की शिकायत सीएम विंडो व नप में दी है। वह उसके द्वारा दी गई शिकायत को उपायुक्त, व अन्य अधिकारियों से कहकर फाइल करवा देगा। इसके लिए उसने 5,20,000 रुपये की मांग की आरोपी उसे डरा धमकाकर फरवरी 2025 में विरेन्द्र निवासी खुराना रोड, कैथल के सामने 5.20 लाख रुपये ले गया परन्तु उसके द्वारा फिर भी शिकायतों को वापस नही लिया 17 मार्च को शोरूम को नप ने सील कर दिया था अपने शोरूम की सील ओपन करवाने के लिये नप में आवेदन किया। नप ने 8 अप्रैल को सील ओपन कर दी। सील ओपन के कमल आया तथा उसे कहने लगा कि शोरूम तुमने गलत बनाया है मै तुड़वा दूंगा तथा डीसी से कहकर से रोक भी सकता हूं। जिस बारे उसके द्वारा उससे दोबारा डीसी के नाम से 4 लाख की राशी बतौर रिश्वत की मांग की है।

सख्त कार्रवाई की जाएगी

डीसी प्रीति ने कहा कि आमजन की शिकायत निवारण के लिए समाधान शिविर सहित कई जगह सरकार द्वारा व्यवस्थाएं की हैं। यदि कोई व्यक्ति आमजन से किसी अधिकारी का भय दिखाकर वसूली करता है तो इस संबंध में समाधान शिविर सहित उनसे मिल कर शिकायत दें सकते है। ऐसे व्यक्ति के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अपनी ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर सीआईए-वन इंचार्ज एसआई सस्पेंड

- भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष पर हमले के आरोपियों के खिलाफ नहीं की थी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार पर हमले के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई न करना सीआईए-1 इंचार्ज को भारी पड़ गया। मुख्यमंत्री नायब सैनी के निर्देश पर कैथल एसपी राजेश ने डयूटी में लापरवाही बरतने पर सीआईए-1 इंचार्ज सब-इंस्पेक्टर पारस को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही उन्हें पुलिस लाइन में स्थानांतरित कर दिया , व विभागीय जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं। सस्पेंशन की अवधि में एसआई पारस को एचसीएस (सामान्य) नियम 2016 के नियम 83 के तहत आधे वेतन के बराबर निर्वाह भत्ता और स्वीकार्य सामान्य भत्ते दिए जाएंगे, डीएसपी क्राइम की जांच में लापरवाही साबितः डीएसपी क्राइम सुशील कुमार की जांच में भी यह पुष्टि हुई कि एसआई पारस ने अपनी ड्यूटी में लापरवाही बरती और जांच को गंभीरता से नहीं लिया। इसके आधार पर एसपी ने उन्हें निलंबित करते हुए पुलिस लाइन में ट्रांसफर कर दिया। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

उचाना के खेत में मिले शव की पांच दिन बाद पहचान

जींद। उचाना के खेतों में बाग की नाली में मिले क्षत-विक्षत शव की पांच दिन बाद शनिवार को पहचान हुई है। मृतक की पहचान बिहार और वर्तमान में दिल्ली निवासी 39 वर्षीय गौतम के रूप में हुई है। गौतम पेशे से कार चालक था और बुकिंग पर गाड़ी चलाता था। घर से 150 किलोमीटर दूर जाकर गौतम का शव मिला है। उचाना थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया और हत्यारोपितो की तलाश शुरू कर दी। गौरतलब है कि गत 13 मार्च को सुबह गांव उचाना कलां तथा उचाना खुर्द के बीच रोड के साइड में बाग की नाली में एक व्यक्ति का शव पड़ा देखा गया था। मृतक ने सफेद रंग की बनियान तथा स्लेटी रंग की पेंट पहनी हुई थी। एक पांव में जूता था। मृतक के सिर और गर्दन से ऊपर तेजधार हथियार से कई वार किए गए थे। मृतक के चेहरे पर वार कर के उसे कुचल दिया गया।

अमेरिका भेजने का झांसा दे साढे 37 लाख हड़पने का आरोपी काबू

- बंधक बनाने, पासपोर्ट कब्जे में लेने दस लाख की और डिमांड का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

अलेवा थाना पुलिस ने अमेरिका भेजने का झांसा देकर साढ़े 37 लाख हड़पने व पासपोर्ट छीनने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। गांव खांडा निवासी ज्योति ने गत 15 नवंबर को दी शिकायत में बताया था कि गांव के ही रोशन से जान पहचान रही है। जिसने उसके पति प्रदीप को अमेरिका भेजने का झांसा देकर जाल मे फांस लिया। जिसकी एवज में आरोपी ने 40 लाख रुपये की डिमाड की। इसके दौरान आरोपित ने गांव सिद्धपुर करनाल निवासी अरूण तथा उसके परिजनों बुटाना निवासी अमित से मिलवाया। सब कुछ तय होने के बाद आरोपितों के खाते में साढ़े 37 लाख रुपये डाल दिए गए। सितंबर 2023 मे उसके पति प्रदीप को दुबई ले जाया गया। जहां पर आरोपितों ने पासपोर्ट छीन लिया व उसे बंधक बना लिया। शुरूआती दौर में उसे प्रक्रिया समझाई। लंबा समय बीत जाने के बाद भी उसके पति को अमेरीका नही भेजा । कुछ पहले उसके पति की फोन पर बातचीत हुई तो उसके दुबई में होने, बंधक बनाने पासपोर्ट छीनने के बारे में पता चला।

कंबाइन की साइड लगने से बाइक से जुड़ी लोडिंग रिक्शा पलटी, एक व्यक्ति की मौत, पांच घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

- बाइक लोडिंग रिक्शा में सवार होकर जा रहे थे गेहूं खरीद केंद्र पर

गांव अलीपुरा से काब्रच्छा रोड पर कंबाइन की साइड लगने से बाइक के साथ जुड़ी लोडिंग रिक्शा के पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए। उचाना थाना पुलिस ने मृतक के भतीजे की शिकायत पर कंबाइन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गांव करसिंधु निवासी रामनिवास, उसका भतीजा सतींद्र, गांव का ही महाबीर, बीरभान, दर्शन, विक्रम शनिवार को सुबह बाइक के साथ लोडिंग रिक्शा जोड़ उसमें सवार होकर गांव अलीपुरा गेहूं खरीद केंद्र पर मजदूरी करने जा रहे थे। गांव काब्रच्छा रोड पर कम्बाइन को क्रॉस करते समय बाइक रिक्शा को साइड लग गई। जिसमें बाइक रिक्शा पलट गई। जिसमें रामनिवास कम्बाइन साइड में जा गिरा। जिस पर कम्बाइन रामनिवास को रौंदती हुई निकल गई। जबकि उसके साथ बाइक रिक्शा सवार अन्य पांच लोग घायल हो गए। घटना को अंजाम देकर कम्बाइन चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने घायलों को उचाना नागरिक अस्पताल उचाना पहुंचाया। जहां से चिकित्सकों ने रामनिवास की गंभीर हालात देख जिला मुख्यालय नागरिक अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान रामनिवास की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर उचाना थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के घायल भतीजे सतींद्र की शिकायत पर फरार अज्ञात कंबाईन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उचाना थाना के जांच अधिकारी कुलदीप सिंह ने बताया कि बाइक के साथ जुड़ी लोडिंग रिक्शा में छह मजदूर मजदूरी करने जा रहे थे। कंबाइन की साइड लगने से बाइक रिक्शा पलट गई। जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई।

नीमवाला का सुनीता हत्याकांड मामलाः तीन दोषियों का उम्रकैद

- एक पर 70000 तथा दो दोषियों पर 60-60 हजार रुपये जुर्माना लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

अतिरिक्त सेशन जज डॉ. नंदिता कौशिक ने हत्या के मामले में तीन दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई है। एक पर 70000 तथा दो दोषियों पर 60-60 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न देने पर 5 महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी। राजकुमार निवासी भागल ने थाना चीका में मुकदमा कायम करवाया था। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी एडीए पुष्पेंद्र सैनी ने की। सैनी ने बताया कि शिकायतकर्ता के छोटे भाई प्रिन्स ने सुनीता वासी नीमवाला जिला कुरूक्षेत्र के साथ प्रेम विवाह किया था। सुनीता के परिवार वाले इस शादी से खुश नहीं थे। सुनीता के माता-पिता, भाई तथा बहन कहते थे कि इस शादी को तुड़वा दो नहीं तो हम उससे मारकर बदला लेंगे। हर रोज की तरह प्रिंस 2 दिसंबर 2019 को अपनी दुकान पर चला गया। राजकुमार व उसका दोस्त गोगी बाइक पर प्रिंस का खाना देने गांव मैंगड़ा पहुंचे तो देखा की बलराम, जोनी, गुरदीप तीनों प्रिंस की दुकान पर खड़े थे। इस बीच बलराम व जोनी ने पिस्तौल से प्रिंस पर फायर किए शोर मचाने पर वे मौके से भाग गए।

हाइब्रिड फंड्स हो सकते हैं निवेश के बढ़िया विकल्प

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- बाजार में उथल-पुथल होने पर निवेशक घबरा जाते हैं
- प्योर इक्विटी फंड्स में पैसे लगाने से कतराने लगते हैं
- ऐसे समय में हाइब्रिड फंड्स अच्छा रिटर्न देने में सक्षम

इस समय देश के इक्विटी मार्केट में भारी उतार-चढ़ाव का दौर काफी समय से जारी है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुरू किए गए टैरिफ वॉर ने इसे और हवा दे दी है। इस माहौल में कई निवेशकों को प्योर इक्विटी फंड्स में निवेश करना बहुत जोखिम भरा लगने लगा है। उनके मन में यह सवाल हो सकता है कि ऐसा कौन सा विकल्प है, जहां कम रिस्क में बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश हो सकती है? उनके इस सवाल का एक जवाब हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में भी मिल सकता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स के जरिये एक ही स्कीम में पैसे लगाकर इक्विटी, डेट और कई बार गोल्ड जैसे एसेट्स में भी निवेश किया जा सकता है। इस डायवर्सिफिकेशन की वजह से रिस्क और रिटर्न के बीच बेहतर बैलेंस बना रहता है। बाजार की गिरावट के दौरान डेट में किया गया निवेश सुरक्षा देता है और जब बाजार चढ़ता है तो इक्विटी से रिटर्न बढ़ते हैं। हाइब्रिड फंड्स भी कई अलग-अलग कैटेगरी में बंटे होते हैं, जिनमें निवेशक अपने निवेश के लक्ष्य, इनवेस्टमेंट होराइजन और रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर सही फंड का चुनाव कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड्स की प्रमुख कैटेगरी की खूबियों के साथ-साथ उनके टॉप फंड्स के पिछले 1 साल, 3 साल और 5 साल के रिटर्न की रेंज का जिक्र किया है, ताकि उनके बारे में निवेशकों को शुरुआती आइडिया मिल जाए।

टॉप 5 फंड्स का पिछला रिटर्न

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड : कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न
अगर आप रिस्क से बचते हुए फिक्स्ड डिपॉजिट से थोड़ा बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स आपके लिए सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें 75-90 फीसदी निवेश डेट इंस्ट्रूमेंट्स में होता है और केवल 10-25 फीसदी इक्विटी में लगाया जाता है। ऐसे फंड्स तीन साल या उससे अधिक समय के निवेश के लिए बेहतर रहते हैं।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में : 10.75 % से 11.45%
- 3 साल में : 10.22 % से 11.78 %
- 5 साल में :13.11% से 14.15%
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट का बेहतर संतुलन
जो निवेशक बेहतर रिटर्न के लिए थोड़ा बहुत रिस्क ले सकते हैं, उनके लिए बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स बेहतर विकल्प हैं. इनमें इक्विटी और डेट का हिस्सा लगभग 50:50 होता है। हालांकि फिलहाल इस कैटेगरी में स्कीम्स की संख्या सिर्फ 2 है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में :10.56% से 11.59%
- 3 साल में: कोई फंड नहीं
- 5 साल में: कोई फंड नहीं
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई से बहुत अधिक

डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स (बीएएफ): एक्टिव स्ट्रैटजी का फायदा : जो निवेशक बाजार की स्थिति के अनुसार अपने पोर्टफोलियो का संतुलन बदलते रहना चाहते हैं, उनके लिए डायनैमिक एसेट एलोकेशन या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड बेहतर साबित हो सकते हैं। ये फंड बाजार की चाल के अनुसार इक्विटी और डेट में 0 से 100 प्रतिशत तक का संतुलन बनाते हैं। हालांकि इनमें जोखिम ज्यादा होता है, लेकिन लंबे समय में अच्छे रिटर्न की संभावना भी होती है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में 10.51% **to** 13.12%
- 3 साल में: 12.84% **to** 19.19%
- 5 साल में: 17.34% **to** 26.49%

रिस्क लेवल : बहुत अधिक

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स: डायवर्सिफिकेशन पर जोर
अगर आप अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लासेज जैसे इक्विटी, डेट और गोल्ड में बांटना चाहते हैं, तो मल्टी एसेट फंड बेहतरीन विकल्प हैं। इस कैटेगरी के फंड्स में तीनों एसेट में कम से कम 10% निवेश किया जाता है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.74% **to** 16.38%
- 3 साल में: 14.31% **to** 18.11%
- 5 साल में: 18.99% **to** 31.87%
- रिस्क लेवल : अधिक से बहुत अधिक

इक्विटी सेविंग्स फंड्स: टैक्स सेविंग के साथ स्टेबल इनकम
टैक्स एफिशिएंट और स्टेबल रिटर्न चाहने वाले निवेशकों के लिए इक्विटी सेविंग्स फंड सही विकल्प हैं। इनमें इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज का मिक्स होता है। इनमें कम से कम 3 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 9.54% **to** 11.59%
- 3 साल में: 11.01% **to** 11.96%
- 5 साल में: 14.56 % **to** 16.62%
- रिस्क लेवल : मॉडरेट से मॉडरेटली हाई

आर्बिट्राज फंड्स: शॉर्ट टर्म और टैक्स एफीशिएंट
अगर आप कुछ महीनों के लिए पैसे पार्क करना चाहते हैं और टैक्स भी कम देना चाहते हैं, तो आर्बिट्राज फंड सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें रिस्क काफी कम होता है और रिटर्न भी एफडी जैसे हो सकते हैं। इनमें कुछ महीनों से लेकर 1 साल तक के लिए निवेश करना बेहतर माना जाता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 7.96% **to** 8.03%
- 3 साल में: 7.41% **to** 7.66%
- 5 साल में: 6.20% **to** 6.34%
- रिस्क लेवल : कम जोखिम

एग्रेसिव हाइब्रिड फंड : डेट के कुशन के साथ इक्विटी में निवेश
जो निवेशक पहली बार इक्विटी में निवेश शुरू करना चाहते हैं लेकिन सीधे प्योर इक्विटी फंड में जाने से घबराते हैं, उनके लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इनका 65% से 80% तक निवेश इक्विटी में और बाकी डेट में होता है। इनमें रिस्क बाकी हाइब्रिड फंड्स के मुकाबले अधिक होता है, लेकिन बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश भी रहती है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.85% **to** 17.29%
- 3 साल में: 16.08% **to** 20.75%
- 5 साल में: 24.56% **to** 29.34%
- रिस्क लेवल : बहुत अधिक

अपने लिए चुनें सही हाइब्रिड फंड : बाजार की उथल-पुथल के बीच हाइब्रिड फंड्स आपके आर्थिक उद्देश्यों के मुताबिक लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट के लिए एक स्मार्ट ऑप्शन हो सकते हैं। हर कैटेगरी का रिस्क-रिटर्न प्रोफाइल अलग है, इसलिए फंड कैटेगरी को सावधानी के साथ चुनें।

क्या म्यूचुअल फंड में निवेश सबके लिए सही

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

- अगर आप भी एसआईपी के जरिये निवेश कर रहे हैं तो जान कुछ बातें
- म्यूचुअल फंड के 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह कहां लगा रहे पैसा
- उसका फंड मैनेजर कौन है, पूछेंगे तो सिर्फ यही बोलेंगे कि एसआईपी कर रहे

अक्सर सुनने में आता है कि सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआई) के जरिये निवेश करना सबसे बेहतर तरीका होता है। लेकिन ऐसा क्यों है। इस पर कोई विचार नहीं करता, जबकि निवेश करने से पहले पता होना चाहिए कि एसआईपी के जरिये निवेश क्यों सही है। यदि यह जानकारी आपको नहीं है तो नुकसान भी हो सकता है। निवेश करने के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस भी समय-समय पर जांचना भी जरूरी होता है। टीवी, रेडियो, ऑनलाइन और सोशल मीडिया के जरिये 'म्यूचुअल फंड सही है' का स्लोगन हम सभी ने जरूर सुना है। आए दिन कोई न कोई क्रिकेटर, बॉलीवुड स्टार या दूसरे फिल्ड के सेलिब्रिटी म्यूचुअल फंड का प्रचार करते दिख जाते हैं। म्यूचुअल फंड सही है। लेकिन, क्या वकई में म्यूचुअल फंड सभी के लिए बिल्कुल सही है? इसका जवाब है नहीं। म्यूचुअल फंड सभी के लिए सही नहीं है। अगर आपका लक्ष्य छोटा है या उम्र अधिक है तो म्यूचुअल फंड सही नहीं है। बाजार में मौजूदा गिरावट के बाद कई लोगों का म्यूचुअल फंड का रिटर्न 3 साल बाद भी निगेटिव हो गया है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि किसके लिए म्यूचुअल फंड सही हैं और किसके लिए नहीं।

एसआईपी के फायदे

- नियमित निवेश: एसआईपी आपको नियमित रूप से निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- रुपये कॉस्ट एवरेजिंग: एसआईपी आपको रुपये कॉस्ट एवरेजिंग का लाभ उठाने की अनुमति देता है, जिसमें आप बाजार की उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से निवेश करते हैं।
- निवेश अनुशासन: एसआईपी आपको निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद कर सकता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- लंबी अवधि के लिए निवेश: एसआईपी आपको लंबी अवधि के लिए निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एसआईपी के प्रकार : म्यूचुअल फंड एसआईपी: म्यूचुअल फंड एसआईपी में आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। **स्टॉक एसआईपी:** स्टॉक एसआईपी में आप नियमित रूप से स्टॉक में निवेश करते हैं।

आंख मूंद कर निवेश नहीं करें

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह किस फंड में निवेश कर रहे हैं। उसका फंड मैनेजर कौन है? पूछेंगे तो बोलेंगे कि हम तो एसआईपी कर रहे हैं, जबकि एसआईपी एक जरिया है म्यूचुअल फंड में निवेश करने का। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले जानकारी जुटाएं। किसी की सलाह पर सुनी सुनाई बातों पर निवेश न कर दें। म्यूचुअल फंड में सही फंड का चुनाव करना बहुत जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर नुकसान उठाना होगा। सही फंड चुनने के लिए आपको बाजार को समझना होगा। निवेश के तरीकों और अपने लक्ष्य को देखना होगा। यह जानना जरूरी है कि हम निवेश क्यों और किस लिए कर रहे हैं। इसलिए निवेश करते समय एक बार पूरी जानकारी जुटाएं।

रिटर्न निवेश का पैमाना नहीं

लोग अक्सर सोचते हैं कि जो फंड अभी सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, वही उनके लिए सही रहेगा। लेकिन हर म्यूचुअल फंड स्कीम अलग होती है। अगर उस स्कीम का इंवेस्टमेंट ऑब्जेक्टिव और रिस्क प्रोफाइल आपकी जरूरतों से मेल नहीं खाता, तो वह फंड आपके लिए सही नहीं है। इसलिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है वरना आप झटका भी खा सकते हैं।

स्कीम को जरूर जांचें

यह जरूरी है कि आप फंड हाउस की इंवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी, फंड मैनेजर की योग्यता, और रिस्क मैनेजमेंट प्रोसेस को भी समझें। एक ही कैटेगरी में अलग-अलग स्कीम्स का प्रदर्शन अलग हो सकता है। कोई भी निवेश करने से पहले एक बार स्कीम को जरूर जांच लें। उसके प्रदर्शन पर नजर रखें और समीक्षा करते रहें।

निगरानी करना सीखें

सही स्कीम चुन लेना ही काफी नहीं। निवेश के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस समय-समय पर जांचना भी जरूरी है। समय-समय पर देखें कि क्या फंड आपके लक्ष्य के अनुसार चल रहा है? अगर नहीं तो उसमें बदलाव करें। अगर ये पांच काम आप कर सकते हैं तो ही म्यूचुअल फंड में निवेश करें। आप अपने पैसे को सुरक्षित भी रख पाएंगे और सही रिटर्न भी ले पाएंगे। अन्यथा आप फिक्स्ड इनकम प्रोडक्ट में निवेश करें।

जोखिम लेने की क्षमता है तो ही निवेश करें

अगर आपमें जोखिम लेने की क्षमता है तो ही म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिय निवेश करें। म्यूचुअल फंड निवेश पर मार्केट रिस्क, लिक्विडिटी रिस्क, क्रेडिट रिस्क, जीडीपी ग्रोथ रिस्क आदि होता है। अगर आप जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं तो ही निवेश करें। अन्यथा बैंक एफडी, पीपीएफ, आरडी या दूसरी फिक्स्ड इनकम इन्वेस्टमेंट स्कीम में निवेश करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आपको रिटर्न मिलता रहेगा। भले की कुछ कम क्यों न हो।

पहला घर खरीदने के लिए करें फाइनेंशियल प्लानिंग

- कुछ टिप्स आपके आ सकते हैं काफी काम
- एक बड़ा डाउन पेमेंट दे सकता है राहत
- लोन की राशि और ब्याज के बोझ को कर सकता है कम
- संपत्ति के मूल्य का 20-30% बचाने का टारगेट रखें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना पहला घर खरीदने जा रहे हैं तो कुछ बातों को पल्ले बांध लें। इससे आपको घर खरीदने में आसानी रहेगे और लोन की किस्तें भी समय पर चुका पाएंगे। बस आपको कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा। इसके बाद अपना मकान बनाने में कोई परेशानी नहीं होगी। अक्सर देखने में आता है कि जब आप पढ़ाई करते हैं फिर अपना करियर शुरू करते हैं तो इसके बाद एक घर खरीदने के सपने को पंख लगने शुरू हो जाते हैं। ज्यादातर लोगों की ख्वाहिश होती है कि एक घर अपना हो। इसके लिए आपको काफी तैयारी करनी होती है। प्लानिंग करनी होती है। तब जाकर आप अपना घर खरीद पाते हैं। अगर आप अपना पहला घर खरीदने की सोच रहे हैं तो आपको इसके लिए पहले से कुछ तैयारियां करनी चाहिए, ताकि आगे आपके लिए किसी तरह की परेशानी न आए। इसके लिए आपको कुछ खास बातों पर गौर करना चाहिए। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके काफी काम आएंगी।

पहले होमवर्क करना जरूरी

घर खरीदने से पहले आपको कुछ होमवर्क करना होगा। इससे आपके कई काम आसान हो जाएंगे। सबसे पहले यह तय करें कि जो मकान खरीदने जा रहे हैं वह अप्रूव्ड है या नहीं। इसके बाद उसके सभी कागज एक बार जरूर चेक करें और किसी जानकार से भी जांच करवा लें, ताकि आपके साथ कोई धोखाधड़ी न हो सके। असली मालिक कौन है। प्रॉपर्टी कौन सी जगह है। बिल्डर सही है या नहीं आद। इसके बाद आप अपने सपनों का घर आसानी से खरीद सकेंगे।

अपनी वित्तीय क्षमता को समझें

पहला घर खरीदने के फैसले से पहले आपको अपनी वित्तीय क्षमता और अपनी वित्तीय सेहत का आकलन करना चाहिए। अपनी इनकम, खर्च और बचत तय करें। यह कैलकुलेट करें कि आप मासिक किस्त (ईएमआई) के लिए कितना फंड आराम से अलॉट कर सकते हैं। टाटा हाउसिंग के मुताबिक, सामान्य नियम यह है कि आपकी ईएमआई आपकी शुद्ध इनकम के 30% से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे ज्यादा होगी तो आपको बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने फंड का एक बार आकलन जरूर कर लें।

डाउनपेमेंट के लिए बचत करें

घर खरीदते समय जितना संभव हो सके डाउनपेमेंट कर देना चाहिए और बाकी अमाउंट के लिए होम लोन लेना चाहिए। डाउन पेमेंट के लिए बचत करें। एक बड़ा डाउन पेमेंट आपके लोन की राशि और ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकता है। संपत्ति के मूल्य का कम से कम 20-30% बचाने का टारगेट रखें। इस फंड को बनाने के लिए रेकरिंग डिपोजिट या सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जैसे ऑप्शन पर विचार कर सकते हैं।

होम लोन विकल्पों को तलाशें

अगर आपको पहला घर खरीदने के लिए डाउनपेमेंट की रकम के अलावा होम लोन लेने की जरूरत हो तो अलग-अलग बैंकों या उधारदाताओं पर शोध करें, और ब्याज दरों, अवधि विकल्पों और छिपे हुए शुल्कों की तुलना जरूर करें। प्रधान मंत्री आवास योजना जैसी सरकार समर्थित योजनाएं अतिरिक्त लाभ प्रदान कर सकती हैं।

छिपे हुए खर्च का जरूर रखें ध्यान

घर खरीदने में कई बार ऐसे खर्च आपके सामने आ सकते हैं जिसके बारे में आपको शायद पहले से पता न हो। इस वजह से छिपी हुई लागतों को ध्यान में रखें। पहली बार घर या प्रॉपर्टी की लागत और संपत्ति खरीदने के लिए किसी भी लोन के अलावा, कई खर्चे सामने आएंगे जैसे स्टाम्प ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन शुल्क, प्रॉपर्टी टैक्स और मेंटेनेंस कॉस्ट आवश्यक विचार हैं। इनके लिए बजट बनाना वित्तीय आश्चर्यों से बचाएगा।

जल्दबाजी न करें

हर इंसान चाहता है कि वह खुद के घर में रहें। खुद का घर खरीदना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही बड़ी बात होती है। कई लोग ऐसे होते हैं, जो बैंक से होम लोन लेकर घर खरीदते हैं, तो कुछ लोग अपनी जिंदगीभर की कमाई को लगाकर घर खरीदते हैं। ऐसे में घर को खरीदते समय कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। घर खरीदते समय ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको अच्छे से जान लेना चाहिए। आपको अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग काफी ध्यान से करनी चाहिए। फाइनेंस के अलावा भी ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको ध्यान रखना चाहिए।

बचत फैक्टर फंडों का एयूएम 14,000 करोड़ से बढ़कर 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ से अधिक हुआ, लोगों को खूब भा रहा

गुणवत्ता कारक निवेश : आधारभूत निवेश करने का एक अनुशासित तरीका, देश में अब इसके प्रति लगातार बढ़ता जा रहा है रुझान

जानकारी
प्रतीक ओसवाल

भारत में कारक-आधारित निवेश के प्रति रुझान बढ़ा है, क्योंकि निवेशक विभिन्न बाजार चक्रों के दौरान लाभ प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित रणनीतियों की तलाश करते हैं। यह रणनीति पैसिव और ऐक्टिव निवेश के बीच के अंतर को पाटने का काम करती है, क्योंकि यह दोनों तरीकों में से सबसे उपयुक्त बातों को मिलाकर बनती है। पारंपरिक निवेश रणनीति, जो बाजार के उतार-चढ़ावों से प्रभावित हो सकती है, से अलग कारक आधारित निवेश अनुकूल विशेषताओं वाले शेयरों को पहचानने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण देती है। भारत में फैक्टर फंडों का एयूएम पिछले वर्ष में दोगुने से अधिक हो गया है, जो एक वर्ष पहले के14,000 करोड़ रुपये की तुलना में 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। विभिन्न कारक रणनीतियों में से, गुणवत्ता कारक निवेश पर अक्सर उस अवधि के दौरान विचार किया जाता है जब मूल्यांकन अपने चरम पर होता है, विकास के अवसर कम हो जाते हैं, और निवेशक मजबूत बुनियादी बातों वाली कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करके स्थिरता की तलाश करते हैं। ऐसी अवधियों में गुणवत्ता कारक अस्थिर बाजार स्थितियों में कुछ हद तक लचीलापन और स्थिरता प्रदान करके निवेशकों को अनिश्चितता का प्रबंधन करने में मदद कर सकता है। स्थिरता और विकास को संतुलित करने की इसकी क्षमता के कारण बाजार में कम विश्वास होने पर यह एक पसंदीदा रणनीति बन जाती है।

क्या है गुणवत्ता कारक

गुणवत्ता कारक एक निवेश रणनीति है, जिसके अंतर्गत उन कम्पनियों को चुना जाता है, जिनकी बुनियादी बातें मजबूत होती हैं। यह उन फर्मों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिनके पास लाभप्रदता, कुशल पूंजी उपयोग और वित्तीय स्थिरता का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। ये कंपनियां अक्सर कम अस्थिरता प्रदर्शित करती हैं, जिससे वे स्थिरता की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त बन जाती हैं।

यह एक विश्वसनीय रणनीति

गुणवत्तापूर्ण निवेश अस्थिर बाजारों में बने रहने के लिए एक विश्वसनीय रणनीति है, जिसमें मजबूत बुनियादी बातों, स्थिर आय और कुशल पूँजी आवंटन वाली कंपनियों पर जोर दिया जाता है। भारतीय और वैश्विक बाजारों में मौजूदा अनिश्चितता को देखते हुए, गुणवत्ता कारक निवेशकों को दीर्घकालिक विकास के अवसरों को प्राप्त करते हुए नकारात्मक जोखिमों से बचने का एक संरचित तरीका प्रदान करता है। जैसे-जैसे निवेश के रुझान बदलते हैं, वित्तीयऔर मौलिक रूप से मजबूत कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करने से निवेशकों को आर्थिक मंदी का सामना करने और भविष्य के बाजार सुधारों में भाग लेने में मदद मिल सकती है।

ये अनुपात बताए

- **इक्विटी पर रिटर्न (आरओई):** यह मापता है कि कंपनी शेयरधारकों की इक्विटी से कितने प्रभावी ढंग से लाभ कमाती है।
- **ऋण-से-इक्विटी अनुपात :** यह अनुपात वित्तीय उत्तोलन और कंपनी द्वारा अपने ऋण को जिम्मेदारी सेप्रबंधित करने की क्षमता का आकलन करता है।
- **आय स्थिरता :** यह अनुपात समय के साथ कंपनी की आय की स्थिरता का मूल्यांकन करता है।
- **उपार्जन अनुपात :** यह नकदी प्रवाह प्रबंधन का विश्लेषण करके आय की गुणवत्ता निर्धारित करता है।
- इन कारकों पर ध्यान केंद्रित करके, गुणवत्तापूर्ण निवेश यह सुनिश्चित करता है कि पोर्टफोलियो में चयनित कंपनियों के पास टिकाऊ व्यवसाय मॉडल हों और वे वित्तीय संकट से कम प्रभावित हों।

सबसे लंबा बुल रन

बीएसई क्वालिटी इंडेक्स ने पांच सालों में 22% का वार्षिक प्रतिफल दिया, जो इसके मूल सूचकांक, बीएसई लार्ज मिडकैप से 4.01% बेहतर प्रदर्शन है। 2020 के दौरान, जब बाजार दूसरी छमाही में रिकवरी की राह पर था, इसने मजबूती से प्रदर्शन किया और 26% का प्रतिफल दिया। लंबी अवधि में भी, गुणवत्ता सूचकांक ने पिछले 19 कैलेंडर वर्षों में 72% मामलों में अपने मूल सूचकांक से बेहतर प्रदर्शन किया है, जो इसकी निरंतरता को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि गुणवत्ता सिर्फ़ एक कारक नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक बेहतर प्रदर्शन की तलाश के लिए एक संरचित दृष्टिकोण भी हो सकता है।

क्वालिटी फैक्टर विश्वसनीय विकल्प

मजबूत वित्तीय मेट्रिक्स वाली कंपनियां आम तौर पर चुनौतीपूर्ण आर्थिक स्थितियों से निपटने और व्यापक बाजार के स्थिर होने पर तेजी से उबरने के लिए बेहतर तरीके से सुसज्जित होती हैं। अनिश्चित समय या शुरुआती रिकवरी चरणों के दौरान, निवेशक अक्सर सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाली वित्तीय रूप से स्थिर कंपनियों की ओर आकर्षित होते हैं। गुणवत्ता कारक मंदी और बाजार की रिकवरी के दौरान बाजार में बने रहनेके लिए विशेष रूप से प्रभावी होता है। मंदी के दौर में, इसने औसतन सिर्फ़ -27% की गिरावट का अनुभव किया, जो कम अस्थिरता कारक से थोड़ा कम है, जिसे अपनी प्रकृति के अनुसारकम गिरावट का अनुभव करने के लिए डिजाइन किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि रिकवरी चरण के दौरान, क्वालिटी फैक्टर ने 41% का संचयी वार्षिक रिटर्न दिया, जो मूल्यांकन कारक फैक्टर के बाद दूसरे स्थान पर है। यह स्थिरता इसे विभिन्न बाजार चक्रों में संतुलित प्रदर्शन की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना सकती है।

निष्क्रिय गुणवत्ता कारक निवेश क्यों अहम

1. मानवीय पूर्वाग्रहों को दूर करता है - गुणवत्ता कारक में पैसिव निवेश मात्रात्मक डेटा पर निर्भर करता है, जो भावनात्मक निर्णय लेने से बचाता है।
2. व्यवस्थित और पारदर्शी - एक नियम-आधारित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि इसमें केवल वित्तीय रूप से मजबूत कंपनियों को ही शामिल किया जाए।
3. बेहतर जोखिम-समायोजित प्रतिफल प्रदान करता है - गुणवत्ता निवेश कम लागत के साथ स्थिरता, लचीलापन व टिकाऊ दीर्घकालिक विकास प्रदान करता है।

इक्विटी निवेश के लिए एक अनुशासित दृष्टिकोण की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए, निष्क्रिय गुणवत्ता कारक फंड सक्रिय स्टॉक चयन के लिए एक कुशल, कम लागत वाला विकल्प हो सकता है।

स्रोत: एनएसई; बीएसई; एसीईएमएफ; एमओएएमसी

(लेखक मोतीलाल ओसवाल एसेट मेनेजमेंट कंपनी लि. के बिजनस पैसिव फंड प्रमुख हैं)

(डिस्क्लेमर : म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन हैं, योजना से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें।)

खबर संक्षेप

ट्रक ने मारी टक्कर ऑटो चालक घायल

जींद। हांसी रोड पुल पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से ऑटो चालक घायल हो गया। शहर थाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर फरार ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जुलानी निवासी राममेहर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गैस सिलेंडर का ऑटो लेकर हांसी रोड पुल पर पहुंचा था। उसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को टक्कर मार दी।

पत्नी पर हथियार से हमला कर किया घायल

जींद। जोगेंद्र नगर में घर में घुस कर पत्नी पर तेजधार हथियार से हमला करने, बीस हजार रुपये की नगदी तथा सोने की बालियां छीन ले जाने पर शहर थाना पुलिस ने पति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जोगेंद्र नगर निवासी पूनम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका उसके पति संदीप के साथ अदालत में केस चल रहा है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत

जींद। गांव करसिंधू तथा पालवां के बीच अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। उचाना थाना पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर फरार अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उचाना मंडी निवासी सोनू मजूदरी करने गांव करसिंधू गया हुआ था। जब वापस घर लौट रहा था तो रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। जिसमें सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया।

खापों ने की एसपी के आदेशों की प्रशंसा

जींद। खाप पंचायतों ने एसपी द्वारा डीजे को लेकर जारी किए आदेशों की प्रशंसा करते एसपी का आभार जताया है। कंडेला खाप पंचायत के प्रधान ओमप्रकाश कंडेला, माजरा खाप पंचायत के प्रधान गुरविंद्र सिंह संधू, जुलाना बाराह के प्रधान बसाऊ लाठर, सहरावत खाप पंचायत के प्रेस प्रवक्ता महेन्द्र सिंह ने संयुक्त बयान में कहा कि डीजे पर पाबंदी की मांग खाप पंचायतों की बहुत पुरानी मांग रही है।

वेतन को जारी करवाने के लिए उठाई आवाज

जींद। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन की ऑनलाइन बैठक जिला प्रधान गुलाब बिरौली की अध्यक्षता में हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के रुके हुए वेतन को जारी करवाना रहा। मीटिंग में यूनियन के जिला सचिव पवन कुमार ने बताया कि ग्रामीण सफाई कर्मचारी देश व प्रदेश को साफ. सुथरा व स्वस्थ बनाने के लिए काम करते हैं लेकिन इनकी दशा बड़ी दयनीय है।

अवैध कॉलोनी के विकास पर प्रशासन की सख्ती

जींद। उपमंडल नरवाना के अर्बन क्षेत्र में बिना आवश्यक स्वीकृति के अवैध रूप से कॉलोनी विकसित किए जाने का मामला सामने आया है। जिला नगर योजनाकार अंजू ने बताया कि बिना लाइसेंस, सीएलयू या विभागीय एनओसी के किसी भी कॉलोनी का विकास गैरकानूनी है बताया कि जांच के दौरान यह पाया कि रेवेन्यू एस्टेट डूमरखां कलां के खसरा नंबरों 8//11 मीन, 12 मीन, 19/2 मीन, 20 मीन, 7//15/2मीन, 16 मीन व रेवेन्यू एस्टेट ढाकल के खसरा नंबरों 754 मीन, 755 मीन में अवैध निर्माण किया जा रहा है।

तीन दिवसीय वैदिक सत्संग समारोह 25 से

जींद। आर्य समाज मंदिर राम नगर रोहतक रोड द्वारा अपने प्रांगण में आगामी 25 अप्रैल से 27 अप्रैल तक तीन दिवसीय वैदिक सत्संग समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में आर्य समाज की वेदज्ञ विदुषी वेद के अमृत रूपी संदेश को लोगों के सम्मुख प्रस्तुत करेंगी।

पेंशन वित्त विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन 22 को

जींद। ज्वाइंट एक्शन कमेटी रिटायर्ड कर्मचारी हरियाणा जिला जींद इकाई के घटक रिटायर्ड कर्मचारी अधिकारी एसो, रिटायर्ड कर्मचारी संगठन, रिटायर्ड कर्मचारी पुलिस संगठन, पैंशनर्स समाज और डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन की बैठक जिला संयोजक किताब सिंह भनवाला की अध्यक्षता में जाट धर्मशाला में हुई।

नौवीं पातशाही गुरु तेगबहादुर साहिब का प्रकाश पर्व श्रद्धा से मनाया

गुरु तेग बहादुर ने प्रेम और त्याग का जीवन जीने पर बल दिया : बलविंद्र

हमें गुरूओं की बताई शिक्षा का अनुसरण करना चाहिए : दादूवाल

रागी जत्थों ने गुरू तेग बहादुर साहिब की जीवनी से संगतों को करवाया रूबरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

धार्मिक दीवान में पहुंचे अतिथियों का सिरोपा भेंट कर सम्मान करते मैनेजर गुरविंदर सिंह ।

दरबार साहिब से आए रागी गुरसेवक सिंह का जत्था गुरबाणी कीर्तन करते हुए।

नौवीं पातशाही गुरु तेगबहादुर साहिब का प्रकाश पर्व ऐतिहासिक गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहिब में श्रद्धा एवं धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में विशेष रूप से दीपमाला की गई तथा धार्मिक दीवान सजाए गए। जिसमें बाहर से आए रागी विद्वानों द्वारा गुरु महिमा के गुरुबाणी शब्द गायन किए गए। गुरुघर के प्रवक्ता बलविंदर सिंह के अनुसार धार्मिक दीवान में सबसे पहले भाई जसबीर सिंह रमदसिया के रागी जत्थे द्वारा गुरुबाणी शब्द गायन किए गए। गुरुद्वारा साहिब के हैड ग्रंथी कथा वाचक गुरुविंद्र सिंह रत्तक ने अपने कथा प्रवचनों में गुरु तेग बहादुर की जीवनी को संगतों से रूबरू करते हुए बताया कि गुरु तेग बहादुर साहिब ने देश और धर्म की खातिर अपने आप को ही नही बल्कि अपने पूरे सरबंश को कुर्बान कर दिया और उसी कुर्बानी के सदके आज हम मंदिरों में राम-राम और गुरुद्वारों में वाहेगुरु-वाहेगुरु का जाप करने के काबिल बने हैं। इसके बाद दरबार साहिब अमृतसर से आए भाई गुरसेवक सिंह के रागी जत्थे ने गुरु महिमा के गुरबाणी शब्द सुना कर संगतों को निहाल किया। हरियाणा गुरुद्वारा धर्म प्रचार कमेटी के चैयरमेन बलजीत सिंह दादूवाल, अंतरिम कमेटी की सदस्य बीबी परमिंदर कौर व हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के नवनिर्वाचित सदस्य करनैल सिंह निम्नाबाद ने विशेष तौर पर धार्मिक दीवान में अपनी हाजिरी लगवाई तथा गुरु के समक्ष नतमस्तक हो कर संगतों को प्रकाश पर्व की बधाई देते हुए कहा कि हमारे गुरुओं की शहादत की बदौलत ही सिख कौम को बहादुर कौम का दर्जा मिला है। हमें भी अपने गुरुओं की शिक्षाओं पर अमल करते हुए उनके बताए पदचिन्हों पर चल कर देश और धर्म का विकास करना है। करनैल सिंह निम्नाबाद ने स्थानीय विधायक एवं हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा का मुख्य सड़क पर प्रवेश द्वार बनवाने के लिए हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एवं समूह संगत की तरफ से आभार व्यक्त किया। गुरूघर के प्रवक्ता बलविंदर सिंह ने कहा कि गुरू तेग बहादुर साहिब ने प्रेम और त्याग के जीवन जीने पर बल दिया और कहा कि हमें सुख-दुख में समान रहना चाहिए। उन्होंने धर्म की रक्षा के लिए खासकर धर्म परिवर्तन के खिलाफ आवाज उठाने का महत्व बताया। उन्होंने हर परिस्थिति का सामना पूरी शांति और दृढ़ता से करने और जीवन में न्याय और समानता के लिए खड़े होने का महत्व बताया।

ये रहे मौजूद

धार्मिक दीवान में गुरुद्वारा साहिब के मैनेजर गुरविंदर सिंह चौगामा, जत्थेदार गुरजिंदर सिंह, मालिक सिंह चीमा, जोगिंदर सिंह पाहवा, टहल सिंह, दलबीर सिंह सेठी, सतनाम सिंह घुम्मण, इंदरजीत सिंह बिट्टू, शेर सिंह सफीदों, सरपंच बलविंदर सिंह, गुरभेज सिंह, आजाद सिंह, मेजर सिंह, शेर सिंह, कर्म सिंह खरकड़ा, शोभा सिंह, यादविंदर सिंह आदि उपस्थित रहे।

नशा न करने बारे किया जागरूक

- शौक से शुरू होकर मौत तक ले जाता है नशा : राजेश कालिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। नशा न करने बारे जागरूक करते पुलिस कर्मचारी। *फोटो :हरिभूमि*

कैथल पुलिस द्वारा आए दिन जिला वासियों को नशा न करने बारे जागरूक किया जा रहा है। शनिवार को पुलिस अधीक्षक राजेश कालिया के मार्गदर्शन में एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार व होमगार्ड शमशेर सिंह की टीम द्वारा कैथल में अनाज मंडी सहित अन्य स्थानों पर युवाओं सहित आमजन को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर जागरूक किया। एसपी राजेश कालिया ने कहा कि नशा मुक्त अभियान तहत जिला को नशा मुक्त बनाने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार प्रयासरत है। नशे का सेवन व्यक्ति के शरीर के लिये तो हानि कारक है ही साथ में यह अपराध करने का मुख्य कारण भी बनता है। जो व्यक्ति नशा करने लग जाता है वह पैसे ना होने पर अपराधिक वारदातों को अंजाम देने शुरू कर देतें है। युवा वर्ग नशे से दूर रहकर पढ़ाई के साथ साथ खेलों में हिस्सा लेकर जीवन को सवारें। खेल हमे नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हैं। नशा शौक से शुरू होकर मौत तक ले जाता है। इससे कई तरह की गंभीर बीमारियां होती है। इससे हमारा परिवार भी परेशान होता है।

जींद। रग्बी एसोसिएशन के महासचिव मुनीत बेरवाल के साथ टीम। *फोटो :हरिभूमि*

रग्बी सेवन टीम में जींद की मानसी

जींद। सीनियर नेशनल महिला रग्बी सेवेंस चैंपियनशिप 23 और 24 अप्रैल को गुवाहाटी के इंदिरा गांधी एथलेटिक फील्ड में इंडियन रग्बी फुटबॉल यूनियन द्वारा आयोजित की जाएगी। जींद रग्बी एसो के महासचिव मुनीत बेरवाल ने बताया कि प्रदेश की महिला टीम की तैयारी के लिए प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण शिविर बबीता सिंह की देखरेख में कोच अमन मलिक मलिक एवं राजेश की अगुवाई में पानीपत के उग्राखेड़ी रग्बी फील्ड पर 10 से 19 अप्रैल तक लगाया गया था। टीम में 12 खिलाड़ियों के साथ 2 सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों को रखा है। टीम कोच रग्बी इंडिया लेवल वन कॉलीफाइड कोच सुदेश कुमारी को लगाया है तथा मैनेजर राजेश होंगे। मुनीत ने बताया कि टीम में ज्योति कप्तान, सरिती हिसार, पायल उपकप्तान, दीपा, ट्विंकल, सीमा, प्रियंका, ईशा, अंजली पानीपत, मानसी जींद, आरती भिवानी, प्रीति चरखी दादरी शामिल है।

सुप्रीम स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

जींद। एकता नगर स्थित सुप्रीम स्कूल में जेईई मेंस का परिणाम घोषित होते ही उत्सव का माहौल बन गया। स्कूल के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन कर सफलता प्राप्त की और विद्यालय का नाम रोशन किया। दीक्षित ने 98.47 प्रतिशत और परीक्षित ने 94.34 प्रतिशत अंक अर्जित कर परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में स्कूल परिवार द्वारा छात्रों को पुष्पमाला पहना कर मिठाई खिला कर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य सतेंद्र त्रिपाठी ने मेधावी छात्रों को बधाई देते कहा कि अथक परिश्रम अंततः रंग लाता है। परिश्रम का मनुष्य के जीवन में वही महत्व है, जो भोजन और विश्राम का होता है। बिना परिश्रम के जीवन व्यर्थ है। क्योंकि प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों का सदुपयोग वही कर सकता है जो परिश्रम में विश्वास रखता है। उन्होंने आगे कहा कि कर्म और परिश्रम का महत्व भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता के उपदेश के माध्यम से समझाया था।

पक्षियों के लिए किया पानी का प्रबंध

जींद। हिंदू कन्या कालेज के इको क्लब ने पक्षियों को गर्मियों की भीषण गर्मी में राहत प्रदान करने के उद्देश्य से मिट्टी के बर्तन में पानी रखने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। मुख्य उद्देश्य परिसर में पक्षियों के लिए पानी का स्रोत प्रदान करना था। जिससे गर्मियों के महीनों में भलाई सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम का नेतृत्व इको क्लब की प्रभारी सीमा दलाल ने किया। जिन्होंने छात्राओं और संकाय सदस्यों का उत्साहपूर्वक मार्गदर्शन किया। हिंदू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम ने परिसर में एक पेड़ पर पहला मिट्टी का बर्तन रख कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया। रेखा सैनी ने छात्राओं को प्रोत्साहित करने और कार्यक्रम में भाग लेने के लिए उपस्थित थी। छात्राओं ने सक्रिय रूप से मिट्टी के बर्तन रखे और गर्मियों के मौसम में पक्षियों की रक्षा और बचाव के लिए एक प्रतिज्ञा ली।

भाविप के अधिकारी क्योडक के स्कूल में बेटियों का स्वागत करते।

जींद। पक्षियों के लिए पानी का प्रबंध करते छात्राएं। *फोटो :हरिभूमि*

आशीर्वाद कार्यक्रम गरिमापूर्वक संपन्न

कैथल। भारत विकास परिषद, शाखा क्योड़क द्वारा राजकीय कन्या वमावि, क्योड़क में अध्ययनरत बेटियों के सामूहिक जन्मदिन पर आशीर्वाद कार्यक्रम स्नेह एवं संस्कारों से परिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अभिनव आयोजन अप्रैल माह में जन्मी बेटियों को सम्मानित कर आत्मबल एवं सामाजिक आत्मीयता को प्रोत्साहित करने हेतु आयोजित किया । अध्यक्षता डॉ. अशोक गर्ग ने की जबकि मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ शिक्षिका अंजु शर्मा उपस्थित रही। इस अवसर पर परिषद के संरक्षक श्री रामचंद्र, अध्यक्ष सुरेश शर्मा (सेवानिवृत्त प्राध्यापक), सचिव मनोज कुमार, वित्त सचिव विजेंद्र तंवर, परिषद सदस्य रजनीश तंवर, डॉ. रामपाल तंवर, दीपक शर्मा, मघर सिंह, मंजू गर्ग, उषा चावला, हरीश चावलाएवं अन्य गणमान्य सदस्यगण विशेष रूप से उपस्थित रहे।

लिंग अनुपात सुधार बारे किया जागरूक

गुहला-चीका। महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी गुरजीत कौर ने बताया कि शनिवार को विभाग द्वारा खंड गुहला के गांव अगौंध के आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण अभियान के तहत लिंग अनुपात में सुधार लाने के लिए जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। सुपरवाइजर कविता ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग द्वारा लिंगानुपात सुधार के बारे में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। कहा कि कार्यक्रम के दौरान गांव की महिलाओं को लिंगानुपात के बारे में समझाया गया तथा उन्हें बताया गया कि गांव अगौंध का लिंगानुपात बहुत कम है गांव में लड़कियों की तुलना में लड़कों की अधिकता है, इससे समाज में गहरे दुष्प्रभाव पड़ते हैं व समाज का संतुलन बिगड़ता है। गांव की महिलाओ को जागरूक करते कहा कि लिंग जांच गंभीर कानूनी अपराध है।

गुहला-चीका। गांव अगौंध के आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित कार्यक्रम।

पूर्व सैनिक वेलफेयर एसो का प्रतिनिधि मंडल नायक जगदीश के परिजनों को तिरंगा सौपते।

पूर्व सैनिक जगदीश को दी श्रद्धांजलि

कैथल। पूर्व सैनिक वेलफेयर एसो के प्रतिनिधि मंडल ने अपने पूर्व सैनिक साथी नायक जगदीश 8वीं जाट रेजिमेंट के वीर योद्धा रहे जिन्होंने 2005 तक सेना में रहते हुए मातृभूमि की सेवा की फिर वहां से सेवानिवृत होने के बाद पुलिस विभाग में स्पेशल पुलिस ऑफिसर के पद पर रहकर पुलिस व समाज सेवा दी इस होनहार पूर्व सैनिक के पैतृक गांव खरक पाण्डवां में घर पर जाकर कै मुख्तार सिंह जांगड़ा, सूबेदार सीपीओ राजबीर भाना, रिसालदार बलदेव सिंह सैनी, सूबेदार ज्योति राम मानस, हवलदार कर्मवीर सहारन, सिपाही फौजी कर्मवीर वाइस चेयरमैन प्रतिनिधि जिला परिषद कैथल,हवलदार संजीव राणा व रिसालदार कर्मवीर भाल ने पार्थिक शरीर पर तिरंगा ओढ़ाया और सभी शव यात्रा यानी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। पार्थिक शरीर पर रीट चढ़ा कर व फूलों और फूल-मालाएं के साथ में में श्रद्धांजलि दी।

जींद। टैलेंट हंट कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

डीएवी स्कूल में टैलेंट हंट कार्यक्रम

जींद। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल के नए बच्चों ने टैलेंट शो में अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान चालीसा के साथ हुई। निदेशक हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति डा. धर्मदेव विद्यार्थी ने कहा कि अच्छाई परमात्मा देता है लेकिन उसके लिए हमें उससे प्रार्थना करनी पड़ती है। उन्होंने हनुमान जी के बारे में बच्चों को बताया कि वे कितने ईमानदार, साहसी, प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने कहा कि सभी के अंदर कोई ना कोई गुण होता है, सिर्फ पहचानने की देर है। कई पढ़ाई में आगे होता है। कोई लेख में या चित्रकला में, कोई नृत्य में, कोई आवाज का धनी होता है। सभी को अपनी प्रतिभा दिखानी चाहिए। टैलेंट शो के विषय में डीएवी प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी ने बताया कि बच्चे प्रतिभा के धनी होते हैं, इन्हें केवल थोड़े से मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

ममता सरकार का पुतला फूंका

- मुर्शिदाबाद में हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। ममता सरकार का पुतला फूंकते विहिप कार्यकर्ता। *फोटो :हरिभूमि*

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं के नरसंहार के विरोध में शनिवार को विश्व हिंदू परिषद् के नेतृत्व में समस्त हिंदू समाज द्वारा प्रदर्शन किया गया और पश्चिम बंगाल सरकार का पुतला फूंका। विहिप कार्यकता जिलाध्यक्ष सुशील सिंगला की अध्यक्षता में एकत्रित हुए। बजरंग दल के प्रांत सह संयोजक हरीश रामकली एवं जिला अध्यक्ष सुशील सिंगला ने कहा कि मुर्शिदाबाद में हिंदुओं पर ममता सरकार की नाक के नीचे अत्याचार किए जा रहे हैं। हिंदुओं के घर जलाए जा रहे हैं, बहनों की मर्यादा हनन की जा रही है। राक्षसी प्रवृत्तियां सभी नैतिक मर्यादा तोड़ रही हैं। इसलिए हिंदू अपने ही देश में पलायन करने का मजबूर हुआ है। अब वह दिन याद आ रहे हैं कि कैसे हिंदुओं को कश्मीर छोड़ कर भागना पड़ा था। सुशील ने कहा कि ये सहन नही किया जा सकता व केंद्र सरकार को तुरंत प्रदेश सरकार बर्खास्त कर कानून एवं व्यवस्था को बहाल कर हिंदुओं की घर वापसी सुनिश्चित की जाए। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए प्रांत सह मंत्री ने हिंदू समाज को चेताया यदि अभी भी एक ना हुए तो कटना तय है। 80 प्रतिशत हिंदू होते हुए भी संगठित न होने के कारण विस्थापित हुए, उनकी मान मर्यादा एवं संपत्ति लूटी गई।

जींद। सीआरएसयू को जयंती देवी मंदिर की कलाकृति भेंट करते हुए।

चित्रों में जींद की विरासत जीवंत

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि में आयोजित राष्ट्रीय चित्रकला कार्यशाला में देशभर से आए कलाकारों ने भाग लिया और जींद की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को अपनी कला के माध्यम से जीवंत किया। कार्यशाला में रानी तालाब और जयंती देवी मंदिर जैसे ऐतिहासिक स्थलों पर आधारित कलाकृतियां तैयार की गई। प्रख्यात चित्रकार दीपक कौशिक द्वारा वॉटर कलर तकनीक में तैयार जयंती देवी मंदिर की भावनात्मक कलाकृति विश्वविद्यालय की कुलसचिव लवलीन मोहन को भेंट की गई। इस कलाकृति में न केवल धार्मिक स्थल का चित्रण है बल्कि जींद के लोगों की आस्था और सांस्कृतिक चेतना को भी रंगों के माध्यम से दर्शाया गया है। कुलसचिव लवलीन मोहन ने कहा कि ललित कलाएं किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक आत्मा होती हैं।

राजकीय महिला महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव का आयोजन

डिप्टी स्पीकर ने प्रतिभावान छात्रों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज. जींद

जींद। बच्चों को सम्मानित करते डिप्टी स्पीकर। *फोटो :हरिभूमि*

राजकीय महिला कालेज में शनिवार को वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने बतौर मुख्यअतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। सत्र 2023-24 के दौरान विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को रोल ऑफ हॉनर व नगद पुरस्कार तथा महाविद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को नगद राशि से सम्मानित किया गया। विभिन्न स्तरों पर आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को तथा बहुमुखी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को भी रोल ऑफ ऑनर तथा कॉलेज कलर प्रदान किए गए। प्राचार्य जयनारायण गहलावत ने महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट के माध्यम से महाविद्यालय में सत्र 2024-25 के दौरान हुई गतिविधियों का वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया तथा यह संदेश दिया कि इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन छात्राओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। मुख्यअतिथि डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आश्वासन दिया कि महाविद्यालय के विकास में सरकारी स्तर पर कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी। ये भी आश्वासन दिया कि कालेज द्वारा प्रस्तुत मांगों को पूरा करवाने का प्रयास किया जाएगा। नरेंद्र कुमार ढुल बतौर मास्टर ऑफ सेरेमनी रहे। डा. राजेश बूरा तथा डा. सुमिता आशरी ने मंच संचालन किया। आईक्यूएसी इंचार्ज डा. मनोज कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस समारोह में पूर्व वाइस चांसलर डा. एके चावला विशिष्ट अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि महिलाओं महिलाएं शिक्षित होगी तो ही समाज का सर्वांगीण विकास हो पाएगा। प्राचार्य सत्यवान मलिक, अन्ना टीम से सुनील वशिष्ठ, विकास लोहान, रणबीर यादव, रणबीर कौशल, नंदलाल मिगलानी तथा जींद शहर के अनेक गणमान्य सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने बतौर अतिथि समारोह की शोभा बढ़ाई। महाविद्यालय से जितेंद्र शर्मा, अजीत कुमार, अनूप कुमार, मनीषा दलाल, डा. रीतू आदि मौजूद रहे।

जींद। बैठक करते बालकिशन। *फोटो :हरिभूमि*

सम्मेलन को लेकर बैठक का आयोजन

जींद। गोपाल विद्या मंदिर विद्यालय में प्रांतीय आचार्य सम्मेलन को लेकर आचार्यों की प्रस्तुति की पूर्व तैयारियों के अवलोकन हेतु विद्या भारती क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री बालकिशन का प्रवास रहा। बालकिशन का सभी विभाग समन्वयकों के साथ बैठना हुआ। उन्होंने तत्पश्चात विद्यालय की माननीय प्रबंध समिति के सदस्यों व जींद संकुल प्रमुख विनोद वशिष्ठ के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। बालकिशन द्वारा मातृ संगठन स्वर्ण जयंती की चर्चा करते हुए प्रासंगिक योजना जिसमें पर्यावरण सुरक्षा आदि पांच आयामों पर विशेष ध्यान आकर्षित करते हुए आचार्यों से यह अपेक्षा की गई है कि वे सामाजिक समरसता बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण समय देगें। निर्धारित गीत व अष्टादश श्लोकी गीता का सामूहिक अभ्यास देखते हुए बालकिशन द्वारा और अधिक परिश्रम करने की सलाह दी गई तथा 25 से 27 मई को पट्टी कल्याणा समालखा में स्थित साधना केंद्र में आयोजित होने वाले प्रांतीय सम्मेलन के लिए पूर्व शुभकामनाएं दी।

खबर संक्षेप

नुकसान का मुआवजा दे सरकार : महावीर चहल

राजौंद। गांव नीमवाला में भारतीय किसान मजदूर कमेरा वर्ग यूनियन के सदस्यों ने बैठक की। प्रदेश अध्यक्ष महावीर चहल से कहा कि बीते दिन हरियाणा में हुई बेमौसम बारिश व आगजनी से किसानों की हजारों एकड़ की गेहूं व तूड़ी जलकर खाक हो चुकी हैं इस आपदा से किसानों को बहुत ज्यादा आर्थिक नुक्सान हुआ है। चहल ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि किसानों को आर्थिक लाभ दे।

निःशुल्क स्किन कैंप का आयोजन आज होगा

पूंडरी। वालिया हस्पताल की सराहनीय पहल और बेदी हस्पताल के सहयोग से बस स्टैंड के सामने वालिया हस्पताल, पूंडरी में फ्री स्किन कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कैंप 20 अप्रैल (रविवार) को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। फतेहपुर से प्रमुख समाजसेवी एडवोकेट कंवरदीप वालिया ने बताया कि इस विशेष शिविर में त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. हरमन वालिया अपनी सेवाएं देंगे, जो अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी, यू.पी. से स्नातक हैं।

छात्र यक्ष दत्त ने जेईई मेनस में किया क्वालीफाई

सफीदों। सफीदों के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल मेधावी छात्र यक्ष दत्त शर्मा ने जेईई मेनस 2025 में क्वालीफाई किया है। जेईई मेनस परीक्षा में क्वालीफाई करने से यक्ष दत्त शर्मा के देश के सर्वोच्च इंजीनियरिंग संस्थानों जैसे आईआईटी में प्रवेश के द्वार खुल गए हैं। यक्ष की इस सफलता पर परिवार व स्कूल में खुशी का माहौल है।

गांव सेरहदा में चलाया दाखिला अभियान

राजौंद। हरियाणा विधालय अध्यापक संघ संबधित सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान व प्रयास को आज उस वक्त सफलता मिली जब राजकीय विद्यालयों में नामांकन अभियान के तहत गांव सेरहदा के पंच सुमित ने राजकीय विद्यालयों की शिक्षा गुणवत्ता, सुविधाओं तथा अपनी सुपुत्री के प्रदर्शन आदि से प्रभावित होकर गांव सेरहदा के निवासियों से अपने अपने बच्चों को राजकीय विद्यालयों में नामांकन कराने के लिए अपील की।

जनसेवा की मिसाल बनीं उपायुक्त प्रीतिः चोपड़ा

पूंडरी। जनसेवा और प्रशासनिक जिम्मेदारी का जब संगम होता है, तो एक ऐसी शख्सियत सामने आती है जो अपने काम से लोगों के दिलों में जगह बना लेती है। कुछ ऐसी ही छवि बना ली है कैथल की उपायुक्त प्रीति ने। क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी फतेह सिंह चोपड़ा ने उनके कार्य को सराहते कहा कि वे एक आदर्श प्रशासक हैं, जिनकी पहचान उनकी कार्यशैली और समर्पण से होती है। जिम्मेदारियों को पूरी सजगता और ईमानदारी से निभाने वाली उपायुक्त के लिए हर कार्य प्राथमिकता रखता है।

डीएवी स्कूल में मनाई महात्मा हंसराज जयंती

पूंडरी। डीएवी पब्लिक स्कूल पूंडरी में प्राचार्या साधना बख्शी के दिशा निर्देशन में त्यागमूर्ति महात्मा हंसराज की जयंती मनाई गई। इस शुभावसर पर सर्वप्रथम संसार का सर्वश्रेष्ठतम कर्म हवन आचार्य रवींद्र कुमार शास्त्री के ब्रह्मत्व में किया गया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचेंगे

संत शिरोमणि धन्ना भगत की जयंती पर राज्यस्तरीय समारोह आज होगा

उचाना की धरती से जाएगा सामाजिक समरसता का पूरे देश-प्रदेश में संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

संत शिरोमणि धन्ना भगत की जयंती पर रविवार को इस बार उचाना में आयोजन हो रहा है। उचाना की धरती से सामाजिक, समरता का संदेश पूरे देशए प्रदेश में जाएगा। प्रदेश सरकार द्वारा संत.महापुरुषों की शिक्षाओं एवं आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए चलाई जा रही संत महापुरुष सम्मान एवं विचार-प्रसार योजना के तहत सर्व जातीय दाडऩ खाप चबूतरा पालवां के साथ मिलकर 20 अप्रैल को बस स्टैंड के पास राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यअतिथि के तौर पर सीएम नायब सिंह सैनी पहुंचेंगे। कार्यक्रम के संयोजक की जिम्मेदारी राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला पर है। जिला, हलकास्तर पर मीटिंग करके वो इस समारोह का निमंत्रण दे रहे है। समारोह में संत, महात्मा, खापों के प्रतिनिधि भी पहुंचेंगे। संत शिरोमणि धन्ना भगत के रंग में उचाना रंगा नजर आने लगा है। राज्यसभा सदस्य एवं कार्यक्रम के संयोजक सुभाष बराला ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य संत धन्ना भगत के जीवन दर्शन और सामाजिक समरसता को हर नागरिक तक पहुंचाना है। समारोह को लेकर लोगों में उत्साह है। 2023 में नरवाना हलके के धरौदी गांव में राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन संत धन्ना भगत की जयंती पर किया गया था। सर्व जातीय दाडऩ खाप द्वारा इस बार जयंती समारोह उचाना में मनाए जाने को लेकर आग्रह किया था। ऐसे में इस बार आयोजन उचाना की धरती पर हो रहा है।

जींद। समारोह स्थल के मंच पर तैयारियों की जानकारी लेते कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी एवं साथ में मौजूद विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री। फोटो: हरिभूमि

एलईडी स्क्रीन से देख सकेंगे समारोह

समारोह में आने वाले संत व महात्माओं एवं खाप प्रतिनिधियों के बैठने के लिए मंच बनाए गए हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देने वालों के लिए भी अलग मंच बनाया गया है। पंडाल में कुर्सियां बैठने के लिए लगाई गई है तो गर्मी का मौसम देखते हुए पूरे पंडाल में पंखे लगाए गए है। कई एकड़ में लगाए गए पंडाल में आने वाले हर किसी को पूरा समारोह देखने में किसी तरह की परेशानी न हो इसको लेकर एलईडी स्क्रीन लगाई गई है। शिवानिया पब्लिक स्कूल के सामने करीब पांच एकड़ में पार्किंग वाहनों के लिए की गई है ताकि लोगों को ज्यादा दूर न चलना पड़ा। यहां पर तीन गेट बनाए गए हैं। एक गेट से सीएम नायब सिंह सैनी पहुंचेगे तो एक गेट जहां से साधु,संत आएंगे। एक गेट पंडाल के लिए बनाया गया है जहां से आमजन समारोह में पहुंचेगा।

तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, उचाना विधायक देवेंद्र चरतभुज अत्री, भाजपा जिलाध्यक्ष तिजेंद्र ढूल समारोह की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे। यहां पर समारोह स्थल के बारे में जानकारी लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत में बेदी ने कहा कि समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंच रहे है तो कार्यक्रम के संयोजक राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला है। हमारी पूरी टीम, दाडऩ खाप की टीम समारोह सफलता को लेकर लगी है। संत शिरोमणि धन्ना भगत की जयंती पर समारोह का आयोजन किया जा रहा है ताकि उनकी शिक्षाएं लोगों तक जाए। ये कार्यक्रम सामाजिक कार्यक्रम है। हमने प्रत्येक व्यक्ति को निमंत्रण दिए है। गांव-गांव जाकर समारोह को लेकर निमंत्रण दिया गया है। विधायक देवेंद्र चतरभुत अत्री ने कहा कि ये जींद जिले के लिए सौभाग्य की बात है कि लगातार दूसरी बार जिले में संत शिरोमणि धन्ना भगत की जयंती मनाई जा रही है। 2023 में नरवाना में आयोजन हुआ तो इस बार उचाना में ये आयोजन हो रहा है। उचाना की धरती इतिहास बनाती है।

जींद। जींद डिपो में बस में सवार होते यात्री। फोटो: हरिभूमि

कार्यक्रम के लिए जींद की 106 बस प्रयोग की जाएगी

- लंबे के साथ लोकल रूटों पर बढ़ेगी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

गांव पालवां में रविवार को आयोजित संत शिरोमणि धन्ना भगत की जयंती पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुख्यअतिथि के तौर पर मुख्यमंत्री नायब सैनी शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में जाने वाले लोगों को ले जाने के लिए जींद डिपो से 206 बस जाएंगी। जिसमें से 106 बस जींद डिपो से और बाकी बस भिवानी और रोहतक रोड से मांगी गई हैं। ऐसे में रविवार को जींद से अलसुबह चंडीगढ़, दिल्ली और गुरुग्राम के साथ-साथ अन्य लोकल रूट पर भी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जींद डिपो में इस समय रोडवेज बसों की संख्या 168 हैं और परिवहन समिति की बसों की संख्या 162 है। हालांकि लोकल रूट पर यात्रियों को प्राइवेट बसों का सहारा रहेगा। जबकि जींद डिपो की बसों में हर रोज लगभग 16 हजार यात्री सफर करते हैं। जिससे डिपो को एक दिन में लगभग 12 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होता है लेकिन इतनी ज्यादा संख्या में बसों के जाने पर यात्रियों को परेशानी होगी। वहीं हांसी, असंध, नरवाना, गोहाना और पानीपत जैसे लोकल रूट पर यात्रियों को प्राइवेट बसों का ही आसरा होता है।

अन्य जिलों से भी मांगी

जिलेभर में अलग-अलग रूटों पर 162 प्राइवेट बसें दौड़ रही हैं। इनमें नरवाना रूट पर 31, असंध रूट पर 16, गोहाना और बरवाला रूट पर 19, हांसी रूट पर 26, पुंडरी रूट पर तीन, जींद से पानीपत रूट पर 26, पिल्लूखेड़ा से रोहतक रूट पर पांच, नरवाना से हांसी रूट पर पांच, नरवाना से कैथल रूट पर 24 और नरवाना से हिसार रूट पर 20 निजी बसें शामिल हैं। जींद डिपो के महाप्रबंधक राहुल जैन ने बताया कि पालवां गांव में आयोजित संत शिरोमणि धन्ना भगत की जयंती पर रविवार से जींद से 206 बस जाएंगी। इसमें जींद से 106 बस और बाकी अन्य भिवानी और रोहतक से मांगी गई हैं। जो बसें बचेंगी उनको यात्रियों की भीड़ के अनुसार चलाया जाएगा।

नशे के खिलाफ किया जागरूक

- आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में नशा मुक्ति पर सेमिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में आज विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराने के उद्देश्य से एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शर्मा ने की।सेमिनार में विशेषज्ञ वक्ताओं ने नशे की आदतों से बचने इसके दुष्परिणामों तथा समाज में इसके प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक सोच अनुशासन एवं स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शर्मा ने कहा कि युवा पीढ़ी देश का भविष्य है और उन्हें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी छात्रों से नशा मुक्त समाज के निर्माण में भागीदार बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एनसीसी कैडेट्स व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सेमिनार का समापन प्रश्नोत्तर सत्र एवं नशा मुक्ति की शपथ के साथ किया गया।

राजौंद। गांव जखोली के आदर्श स्कूल में कार्यक्रम के दौरान मौजूद विद्यार्थी अन्य।

प्रतियोगिताओं से बच्चों का सर्वांगीण विकास

- शिक्षा भारती मॉडल स्कूल में भव्य यूनिफॉर्म प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ⏭नरवाना

शिक्षा भारती मॉडल स्कूल में आज एक आकर्षक यूनिफॉर्म प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। विद्यालय की प्रधानाचार्य नवीन शर्मा ने कार्यक्रम की सराहना करते कहा यूनिफॉर्म केवल एक पोशाक नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रतियोगिता से हम बच्चों में अनुशासन और स्वच्छता के मूल्यों को बढ़ावा देना चाहते हैं। मुझे खुशी है कि हमारे सभी विद्यार्थियों ने इसमें बढ़.चढ़कर हिस्सा लिया। डायरेक्टर वीरेंद्र ने कहा कि हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल शैक्षिक रूप से ही नहीं बल्कि सर्वांगीण विकास की ओर अग्रसर करना है। यूनिफॉर्म प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास और आत्म.अनुशासन को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई दी और सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते कहा कि विद्यालय के अंदर समय समय पर ऐसी प्रतियोगिताएं होती रहती हैं जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है।

नरवाना। प्रतियोगिता में बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

विकास के लिए प्रतिबद्ध

विद्यालय के चेयरमेन प्रवीण कुमार ने कहा कि शिक्षा भारती मॉडल स्कूल हमेशा से ही विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। यूनिफॉर्म न केवल विद्यालय की पहचान है बल्कि सामाजिक समानता को भी प्रोत्साहित करती है। मुझे विश्वास है कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने में सहायक होंगे। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल ने छात्रों की यूनिफॉर्म की साफ.सफाईए प्रस्तुति और समग्र उपस्थिति के आधार पर उनका मूल्यांकन किया। प्रत्येक कक्षा से प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को पुरस्कार प्रदान किए।

मंडी में ड्यूटी लगाने पर कंप्यूटर लैब सहायकों ने जताया विरोध

- चार माह से कंप्यूटर लैब अटेंडेंट को सैलरी भी नहीं मिल रही

हरिभूमि न्यूज ⏭जुलाना

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में कार्यरत कंप्यूटर लैब सहायकों की अनाज मंडियों में कंप्यूटर आपरेट यानि ईपास जेनरेट करने में अनावश्यक ड्यूटियां लगाई जा रही हैं। विभिन्न जिलों में लैब सहायकों से यह काम करवाया जा रहा है। इस कारण कंप्यूटर लैब सहायक को अनेकों समस्या का सामना करना पड़ रहा है। पिछले तीन-चार महीने से कंप्यूटर लैब अटेंडेंट को सैलरी भी नहीं मिल रही। कंप्यूटर लैब अटेंडेंट का वेतन मात्र 12 हजार रुपये है। अनाज मंडियों में कई किलोमीटर ड्यूटी करवाई जा रही है। ड्यूटी का कोई भी अतिरिक्त चार्ज नहीं दिया जाता। और ड्यूटी का कोई भी टाइम नही है जिससे कंप्यूटर लैब सहायक साथियों में निराशा है। इस समस्या को देखते हुए राज्य प्रधान करमजीत संधू ने कहा कि कंप्यूटर लैब सहायक वेलफेयर एसोसिएशन इसका पूर्ण रूप से विरोध करती है। यह बिल्कुल अन्याय है। कंप्यूटर लैब सहायक इन ड्यूटियों से मानसिक रूप से परेशान हो चुके हैं। जिला प्रधान सोनू दुग्गल ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा भी आदेश जारी किए हुए हैं कि कंप्यूटर लैब सहायकों की किसी अन्य कार्य में ड्यूटी न लगाई जाए लेकिन फिर भी अनावश्यक ड्यूटी लगाई जा रही है।

अलेवा ब्लाक के पांच गांव नशा मुक्त

- सरपंचों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

नशा मुक्ति अभियान के तहत चांदपुर गांव में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गांव के सरपंच राजेश नरवाल ने की तथा मुख्य रूप से एसपी राजेश कुमार ने भाग लिया। इस दौरान एसपी ने नशा मुक्त घोषित किए गए कटवाल, चांदपुर, शामदों, तेली खेड़ा, खेड़ी बुल्ला आदि पांच गांव के सरपंचों के अलावा सामाजिक कार्यकर्ता हरवीर बांगड़ व मुकेश को स्मृति चिह्न व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। एसपी राजेश कुमार ने उपस्थित लोगों तथा पंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन की तरफ से चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान में आमजन के सहयोग की भागीदारी होनी अति आवश्यक है। समाज में से बुराइयों का खात्मा करने के लिए जनप्रतिनिधि व सकारात्मक सोच वाले व्यक्तियों की सख्त जरूरत है। उन्होंने बताया कि नशा न केवल स्वास्थ्य को प्रभावित करता है बल्कि यह अपराध को भी जन्म देता है। नशा करने और बेचने वाले दोनों व्यक्ति समूह को अपराध की श्रेणी में रखा गया है। उन्होंने युवाओं और ग्राम वासियों को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक किया और नशा मुक्त समाज की दिशा में योगदान देने का आह्वान किया।

जींद। चांदपुर गांव में आयोजित नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम में एसपी को सम्मानित करती चांदपुर पंचायत। फोटो: हरिभूमि

पूर्व डीएसपी सज्जन सिंह को किया जाएगा सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭कलायत

कलायत के पूर्व डीएसपी सज्जन सिंह को कुशलता से कर्तव्य निवर्हन के लिए विभिन्न समाज सेवी संगठन और नागरिक संयुक्त रूप से सम्मान देने की तैयारी कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2024 में रिटायर्ड हुए सज्जन सिंह ने बेहतरीन ढंग से जांच कार्यवाही को पूरी करते कलायत क्षेत्र से जुड़े दो अहम मामलों में आरोपियों को कड़ी सजा दिलवाने में अहम भूमिका निभाई। इसमें एक मामले में सात वर्षीय मासूम बच्ची को दुष्कर्म का शिकार बनाते हुए जिंदा जलाने वाले दोषी को फांसी सजा मिली। यह जिला कैथल का अपनी तरह का पहला मामला रहा। वर्ष 2022 से जुड़े एक अन्य मामले में डीएसपी द्वारा की जांच में आरोपियों को उम्र कैद और जुर्माना की सजा हाल में ही सुनाई है। इस तरह हत्या, अपहरण, लूट, धोखाधड़ी, गंभीर मामलों की उलझी गुत्थी को सुलझाने में सज्जन सिंह फास्ट ट्रैक से जांच करते हुए सफल रहे।

सज्जन सिंह, रिटायर्ड डीएसपी

- सज्जन सिंह की कार्य कुशलता से दो गंभीर मामलों में आरोपियों को मिली है फांसी व उम्र कैद की सजा

साइबर अपराध के खिलाफ किया प्रेरित

- चीका व कैथल में आमजन को किया जागरूक
- जागरूकता अपना कर साइबर ठगी से बचें, अपराध होने पर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर करें डायल

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

जिला पुलिस की टीमें जिले में विभिन्न स्थानों पर हेल्पडेस्क लगाकर आमजन को साइबर अपराधों बारे जागरूक कर रही है। शनिवार को एसपी राजेश कालिया के कुशल मार्गदर्शन में चीका में अनाज मंडी व चीका चौक पर तथा कैथल में कोर्ट व सचिवालय में साइबर हेल्पडेस्क लगाकर आमजन को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध के तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 का प्रचार जोर-जोर से किया जा रहा है ताकि आमजन इसके महत्व से जागरूक हो सके तथा जागरूकता की ज्योत से साइबर अपराधियों को खाक किया जा सके। अभियान में जिला पुलिस शिक्षण संस्थानों में जाकर बच्चों के माध्यम से अभिभावकों को जागरूक कर रहे हैं तो वहीं ग्रामीण आंचल से सटे गांवों में भी जाकर आमजन को जागरूक कर रही हैं।

कैथल। अनाज मंडी के मजदूरों को साइबर क्राइम बारे जागरूक करती पुलिस टीम।

गांव सालवन में 9 मई को मनाई जाएगी जयंतीः श्याम सिंह राणा

कृषि मंत्री ने महाराणा प्रताप जयंती का न्योता दिया

- मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭पूंडरी

हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा शनिवार को गांव फरल पहुंचे। वे यहां 9 मई को करनाल जिले के गांव सालवन में मनाई जाने वाली महाराणा प्रताप जयंती के निमंत्रण के लिए आए थे। इस दौरान उनके साथ असंध विधायक योगेंद्र राणा व पूंडरी हल्का विधायक सतपाल जांबा भी मौजूद रहे। गांव सरपंच प्रतिनिधि साहब सिंह राणा के निवास पर आयोजित ग्रामीण जनसभा को संबोधित करते मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि महाराणा प्रताप की जयंती हर वर्ष प्रदेश स्तर पर 9 मई को मनाई जाती है। इस बार भव्य आयोजन करनाल जिले के गांव सालवन में किया जा रहा है, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

पूंडरी। गांव फरल में आयोजित सभा में मंचासीन मंत्री श्याम सिंह राणा, विधायक सतपाल जांबा व विधायक योगेंद्र राणा। फोटो: हरिभूमि

महाराणा प्रताप पूरे देश के लिए प्रेरणा स्रोतः मंत्री

मंत्री राणा ने कहा कि महाराणा प्रताप पूरे देश के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। महापुरुष किसी एक वर्ग के नहीं होते, बल्कि वे 36 बिरादरियों के लिए अपने त्याग और बलिदान से मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने महाराणा प्रताप के शौर्य का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने मुगलों के आगे कभी घुटने नहीं टेके और मातृभूमि की रक्षा के लिए जंगलों में भी कष्ट झेलते हुए युद्ध लड़ा। विधायक सतपाल जांबा ने भरोसा दिलाया कि पूंडरी हल्के से उम्मीद से अधिक संख्या में लोग महाराणा प्रताप की जयंती में भाग लेंगे। जांबा ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन त्याग, शौर्य और आत्मसम्मान का प्रतीक है। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने सुख-आराम को त्याग दिया। आज के युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देश सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। विधायक योगेंद्र राणा ने कहा कि महाराणा प्रताप ने दिखा दिया था कि आत्मसम्मान के लिए हर परिस्थिति का डटकर सामना किया जा सकता है। उनका जीवन संघर्ष और स्वाभिमान की मिसाल है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 20 अप्रैल 2025

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

बिगड़ते पर्यावरण, बदलते जलवायु के कारण धरती के बढ़ते तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखने लगे हैं। इसका असर अब हमारी हेल्थ पर भी पड़ने लगा है। कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से लोग ग्रस्त हो रहे हैं। इनसे कुछ हद तक बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने के साथ यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

हमारी हेल्थ को बिगाड़ रही ग्लोबल वार्मिंग

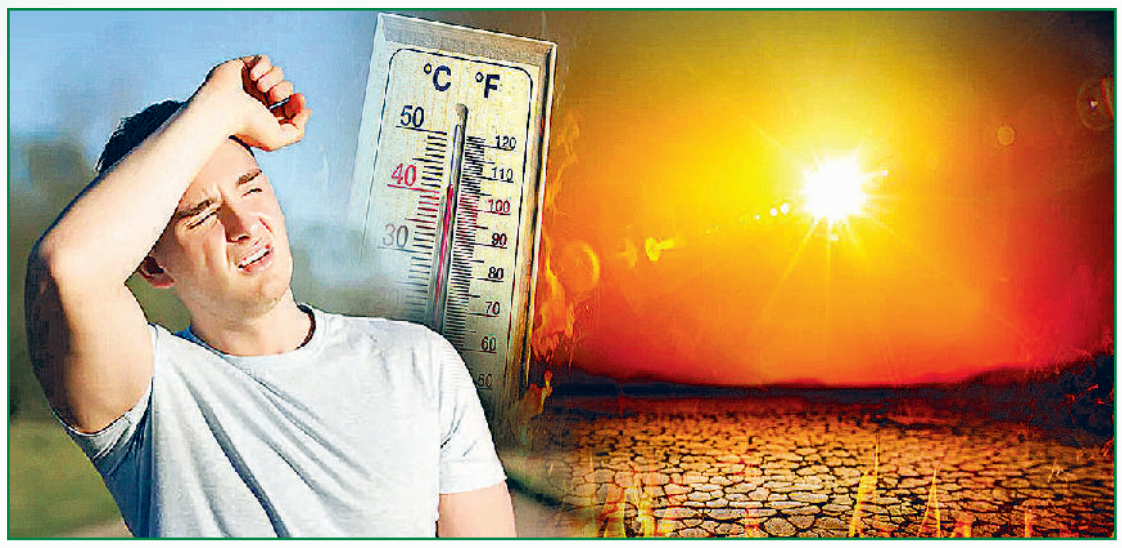

जलवायु, मौसम और बारिश के पैटर्न को ही नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग, हमारी हेल्थ और फिटनेस पर भी अब तेजी से असर डाल रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे पर्यावरण को जिस तरह से प्रभावित किया है, उसे तो हम कई सालों पहले से जान रहे हैं, लेकिन अब हमें अपनी हेल्थ पर भी इसके असर दिखने लगे हैं।

बढ़ते हीट स्ट्रोक

हम सब जानते हैं कि ज्यादा तापमान में व्यायाम करने से शरीर में डिहाइड्रेशन होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, इन दिनों ऐसा ही हो रहा है। पिछले दो सालों में यूरोप और अमेरिका में सबसे ज्यादा डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पहले कभी हीट वेव नहीं चला करती थी। पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन में भी हाल के सालों में साइकिलिंग के दौरान लोगों में हीट स्ट्रोक के केसेस 5 से 15 फीसदी तक बढ़े हैं। न्यूयॉर्क में 2023 और 2024 में हीट स्ट्रोक की जितनी घटनाएं सामने आई हैं, पिछली सदी में उसके 10वें हिस्से के बराबर भी नहीं आई थीं। जाहिर है, ये बढ़ते तापमान का नतीजा है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर शहरों में अब खासतौर पर जिम की नई गाइडलाइन में एक्सरसाइज के लिए शाम और सुबह को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगड़ती एयर क्वालिटी

दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई मेट्रो शहरों में पिछले तीन सालों में वायु प्रदूषण बेहद खराब स्तर का हो गया है। दिल्ली में तो प्रतिवर्ष हवा की खराब गुणवत्ता के कारण इससे बीमार पड़ने और मरने वाले लोगों की संख्या में 10 हजार से 15 हजार के बीच इजाफा हुआ है। दिल्ली में पिछले पांच सालों से हवा औसतन साल के 300 दिन सामान्य से बहुत ज्यादा खराब रहती है। इसीलिए अब दिल्ली में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, खासकर फिटनेस के जानकार, बूढ़े लोगों को सुबह के समय घर से बाहर घूमने जाने की सलाह नहीं देते हैं, क्योंकि दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित है कि घूमने से जो फायदे हो सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा हेल्थ के लिए नुकसान होने की आशंका रहती है। दिल्ली जैसे वायु प्रदूषण से ग्रस्त शहर में सुबह के समय दौड़ने या खुली हवा में योग करने से सांस संबंधी बीमारियां बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है। जिस तरह से ऐसे महानगरों की हवा प्रदूषित है, उससे फेफड़ों की क्षमता प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि ऐसे प्रदूषित शहरों में कार्डियो वर्कआउट्स कम प्रभावी हो रहे हैं।

स्वस्थ रहने के लिए इन बातों पर करें अमल

वैज्ञानिक पिछले तीन दशकों से दुनिया भर के लोगों को आगाह कर रहे हैं कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बावजूद इसके ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए जितने उपाय किए जाने चाहिए, वो नहीं हो रहे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण का संकट इतना गहरा हो गया है कि अब इस स्थिति में रातों-रात सुधार नहीं हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि अब हमें इसी खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के साथ जीना है। ऐसे में ग्लोबल वार्मिंग के रहते हुए अपनी सेहत और फिटनेस का ध्यान रखने के लिए कुछ बातों पर अमल करना होगा-

- व्यायाम हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। जब तापमान और वायु गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।
- आउटडोर एक्सरसाइज से बचें, क्योंकि इन दिनों प्रदूषण की स्थिति काफी बिगड़ी हुई है और ग्लोबल वार्मिंग से मिलकर यह प्रदूषण और भी नुकसान करता है। इसलिए घर के भीतर या जिम में ही व्यायाम को प्राथमिकता दें।
- गर्मी वाले महीने अप्रैल, मई, जून ही नहीं जुलाई और अगस्त के महीने तक भी व्यायाम करते समय सतर्क रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें।
- घर से बाहर निकलते समय हमेशा पॉल्यूशन मास्क जरूर लगाएं।
- घर और ऑफिस के भीतर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें।
- अपने घर, गार्डन या आस-पास के पार्क में पेड़ लगाने के साथ पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में भी छोटे-छोटे कदम उठाएं।
- पिछले एक दशक से लगातार वैज्ञानिकों की चेतावनियों के बावजूद प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग और अंधाधुंध विकास की भाग-दौड़ में हमारे इर्द-गिर्द की हवा, पानी, मिट्टी, खाद्य सामग्रियां, सब कुछ प्रदूषित, संक्रमित या ग्लोबल वार्मिंग के कारण असामान्य हो गई हैं। ऐसे में व्यायाम करने, खान-पान से लेकर जीवनशैली के तौर-तरीकों पर सजगता बरतनी होगी।

विशेष: पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

बिगड़ती मानसिक सेहत

ग्लोबल वार्मिंग के कारण सिर्फ शारीरिक परेशानियां ही नहीं बढ़ीं बल्कि मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हमारे

व्यायाम की आदतें बदल गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता हीट स्ट्रोक और तनाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। दरअसल, इस ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी फसलों के ऊपर और हमारे पोषण की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कुछ फसलें कम पैदा हो रही हैं, खासकर प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर फ्रूट्स का उत्पादन घटा है और इनकी कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। महंगे होने के कारण लोग आसानी से इन्हें नहीं खा पा रहे हैं। इससे भी हमारी मेंटल फिटनेस पर असर पड़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा। *

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

यह जानते हुए भी कि धरती के संसाधनों का अति दोहन करने से हम सभी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, हम सचेत नहीं हो रहे हैं। अपनी धरती को बचाए रखने के लिए बिना देर किए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रभावी प्रयास करने होंगे।

पुकार रही है प्रकृति बचा लें अपनी धरती

सदियों से प्रकृति और यह धरती, कवियों और लेखकों के लिए आराधना और प्रशंसा का विषय रही है। इसीलिए जब हम कश्मीर की सुंदर घाटी को या फिर हिमालय से बहती हुई पावन नदी गंगा के प्रवाह को देखते हैं, तब मन ही मन हमें इस बात का अहसास होने लगता है कि सचमुच ही हम मनुष्य, शक्तिशाली प्रकृति की सामर्थ्य के समक्ष कितने तुच्छ और शक्तिहीन हैं! हम सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि धरती मां, हमारा पालन-पोषण ठीक ऐसे ही करती है, जैसे कोई माता अपनी संतान का। आहार जुटाने से लेकर जीवन के लिए जरूरी अनेक कार्य प्रकृति पूरी तत्परता के साथ निभाती है। मान लीजिए, यदि वह अपने इस नित्य कार्य को करना बंद कर दे, तो फिर हम मनुष्यों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं।

बढ़ रही प्राकृतिक आपदाएं: पिछले डेढ़-दो दशक में समस्त संसार में हुई प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओ को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता हैं कि प्रकृति वर्तमान में हम मनुष्यों से बड़ी रुष्ट है और अगर हमने अपने आप में परिवर्तन नहीं किया तो उसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। हाल ही में भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं और भारी

बारिश के कारण स्थानीय लोगों को अपना घर छोड़कर सरकारी टेंटो में जाकर रहने की नौबत आई, जिसके चलते उनके मन में प्रकृति के प्रति शिकायत का भाव देखा गया। लेकिन हम इंसान अकसर यह भूल जाते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं और धरती की बिगड़ती मौजूदा हालत के जिम्मेदार हम खुद ही हैं।

रोकनी होगी वृक्षों की कटाई: पर्यावरण विशेषज्ञों के मतानुसार बादल फटने की घटना का गहरा संबंध वन की अनियंत्रित कटाई से होता है, जिसे साधारण भाषा में वनोन्मूलन या डिफॉरेस्टेशन कहते हैं। वनस्पति विशेषज्ञों द्वारा किए गए अनुसंधान से यह सिद्ध हुआ है कि पहाड़ी इलाकों में आए दिन होने वाली बादल फटने की घटनाओं और उससे होने वाली तबाही को कम करने के लिए समुद्र तल से 4000 से 8000 फुट की ऊंचाई पर अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाने चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश पर्यटन में सुधार करने के लिए हम वृक्ष लगाने के बजाय, वृक्षों को काट रहे हैं और जंगलों का नाश कर रहे हैं, जिसका सीधा असर प्रति वर्ष नदी तटीय इलाकों में बसे गांव या शहरों में होने वाली बाढ़ के रूप में हमें देखने को मिलता है।

हम सब करें प्रकृति संरक्षण: श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है-

देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः।
परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ॥

अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित एवं व्यवस्थित रखने से भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति, दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती तथा समुन्नत बनती है। इसलिए हम सभी मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता हैं और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया है किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी विद्यमान है। अतः यदि हम धरती मां के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा। लेकिन अगर हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी रखेंगे, तो फिर हमें भूकंप, बाढ़, अकाल, भूस्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

संकट
नरेंद्र शर्मा

अब समय आ गया है कि हम सब पृथ्वी की बदतर होती स्थिति को लेकर केवल चिंता न प्रकट करें, उसे सुधारने के लिए कारगर कदम भी उठाएं।

चिंता जताने से नहीं सुधरेगी पृथ्वी की सेहत

हर साल 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के 190 से ज्यादा देश मिलकर पृथ्वी की दिनों-दिन बिगड़ती सेहत पर चिंता व्यक्त करते हैं, इसे सुधारने का आह्वान करते हैं, नई-नई नीतियां बनाते हैं, लेकिन नतीजा न केवल वही रहता है बल्कि लगातार धीरे-धीरे पृथ्वी की सेहत बद से बदतर होती जा रही है।

बीत गई आधी सदी: पहली बार 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में दुनिया के कई पर्यावरणविद जुटे थे और उन्होंने चेताया था कि अगर औद्योगिकीकरण के चलते हमारी नदियां इसी तरह कचरे से पटती रहीं, हवा में जहर इसी तरह घुलता रहा, पेड़ कटते रहे और ग्लेशियरों की बर्फ पिघलती रही, तो जल्द ही यह धरती इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी। जब वैज्ञानिकों ने पहली बार यह सब चेतावनी के तौर पर ऊंचे स्वर में कहा तो एक स्वाभाविक चिंता बनी और दुनिया की करीब-करीब हर सरकार ने पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया। लेकिन इस सबके बाद भी नतीजा सकारात्मक बिल्कुल नहीं रहा। 1970 में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सेहत को जिस तरह बिगड़ते हुए पाया था, इन 55 सालों में एक बार भी स्थिति उससे बेहतर नहीं हुई, लगातार पृथ्वी की सेहत खराब ही होती जा रही है।

बातें नहीं लेना होगा एक्शन: इस साल पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने जिस थीम का आह्वान किया है, वह है-हमारी शक्ति, हमारा ग्रह। हमारी शक्ति से आशय सरकार, उद्योग या वैज्ञानिकों की शक्ति नहीं है बल्कि इसका भाव यह है कि ये हमारी आदतें, हमारा आचरण और ये हमारा उपभोग ही है, जो अंततः हमारी पृथ्वी की सेहत पर असर डालता है। कुल मिलाकर यह कि यह हमारी चुनाव की शक्ति है कि हमें वास्तव में पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ करना है या बड़ी-बड़ी बातें ही करनी हैं। चूंकि पृथ्वी एक भौगोलिक क्षेत्र भर नहीं है, यह एक जीवंत ग्रह है, इसलिए अगर हमने पृथ्वी को बचाने के लिए किसी जीवित इंसान की तरह ईमानदारी से कोशिश नहीं किया तो जल्द ही वह समय आएगा, जब हमारी सारी समझदारी और सारी जानकारी के बावजूद पृथ्वी की हालत सुधरेगी नहीं।

सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक: आज की तारीख में धरती को सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से है। प्लास्टिक के खतरे को हम कई दशकों से जानते हैं और लगातार सरकारें प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल का आह्वान करती रही हैं। भारत जैसे देश में तो हाल के कुछ सालों में कितनी ही बार प्लास्टिक के इस्तेमाल में तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रकट रूप में प्लास्टिक से बचने के लिए दिन-रात किए जा रहे आह्वानों, प्रतिबंधों और नीतियों के बावजूद प्लास्टिक का इस्तेमाल घटने की बजाय दिन-पर-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आज हर साल 40 करोड़ टन से भी ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है और इसमें से 50 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक होता है, जो पृथ्वी की सेहत के लिए सबसे खतरनाक है। धरती की तो छोड़िए अब समुद्र भी इस प्लास्टिक से पट गया है। सिर्फ जमीन और समुद्र ही नहीं दुनिया के किसी देश में शायद ही ऐसा खान-पान बचा हो, जिसमें बड़े पैमाने पर माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े घुल-मिल न गए हों। यहां तक कि नवजात शिशुओं के रक्त में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। आखिर ये स्थितियां किस बात की सूचक हैं? शायद इसी बात की कि हम चिंता तो खूब प्रकट करते हैं, आह्वान भी खूब करते हैं, लेकिन अमल बिल्कुल नहीं करते। ऐसे में भला पृथ्वी की सेहत सुधरेगी भी तो कैसे?

हवा-पानी सब प्रदूषित: देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के कई महानगर अकसर भयावह वायु प्रदूषण से ग्रसित रहते हैं। यही हाल हमारी नदियों का भी है। गंगा, यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां, पर्यावरणविदों की दिन-रात जताई जा रही चिंता के बावजूद प्रदूषण से दम तोड़ रही हैं। पहले तो इनमें औद्योगिक ईकाइयों का गंदा पानी ही शामिल होकर इन्हें जहरीला बना रहा था, लेकिन अब तो हमारी इन नदियों में भी प्लास्टिक एक बड़ा खतरा बन गया है। जिस तरह से लगातार हिमालयी ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे यह स्थिति कभी पैदा हो सकती है कि गंगा नदी सूख जाए या कि मौसमी नदी बन जाए।

हमारा संकट यह है कि हम एक तरफ जहां पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर चिंतित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अपने उपभोग का तौर-तरीका नहीं बदल रहे। अगर हमने अपने जीवनशैली से जरा भी समझौता नहीं किया तो पृथ्वी की सेहत को लेकर चाहे जितनी चिंता प्रकट करें, इसे बचा नहीं सकते। *

गजल
हबीब कैफी

क्या हुआ जो बात करना हमको आया ही नहीं
फिर भी चेहरे पर कोई चेहरा लगाया ही नहीं

आप तो क्या चीज हैं पत्थर पिघल जाते जनाब
गीत कोई दिल से अब तक हमने गाया ही नहीं

मुस्कुराया वो मेरे कुछ पूछने पर इस तरह
कुछ बताया भी नहीं लेकिन छुपाया ही नहीं

रोज आता है यहां वो रात के पिछले पहर
नींद से लेकिन कभी उसने जगाया ही नहीं

क्या डराएगा कोई साया हमें 'कैफी' यहां
उसके हम बंदे हैं साहिब जिसका साया ही नहीं

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब का डबल मजा

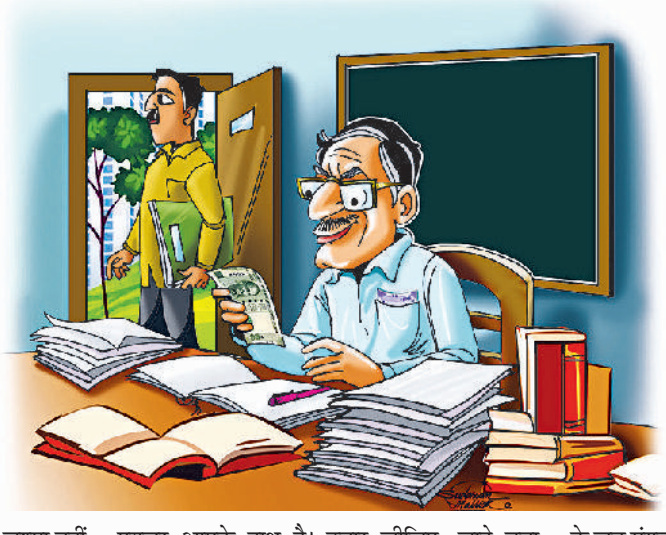

मास्साब वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का कई दिनों से केंद्रीय कक्ष में सामूहिक मूल्यांकन कर रहे थे। लेकिन आज की कॉपी की जंचाई में मास्साब को बहुत मजा आया। वह प्रायः उत्तर पुस्तिकाएं पढ़कर नंबर नहीं दिया करते थे। उनके अपने कुछेक प्रिंसिपल्स थे। इनको मास्साब ने अपने ही विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल से उत्तराधिकार में ग्रहण किया था। मगर आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब कॉपियां जांचने बैठे। पहली उत्तर पुस्तिका खोली, तो उनकी आंखें ऐसी फैलनी शुरू हुईं कि वे सिकुड़ने का नाम ही नहीं ले रही थीं। मास्साब ने जेब से चश्मा निकाला। किसी तरह अपनी विजन की व्यापकता को कंट्रोल किया। दरअसल, मास्साब चक्षु बंद करके नंबरादि दिया करते थे, इसीलिए वह कॉपी जांचते टाइम चश्मा नहीं लगाते थे।

पहली ही उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ इतना मनमोहक! किसी फिल्मी पत्रिका के कलर्ड कवर को मात देता हुआ एक रंगीन हार्ट का चित्र अंकित था। मास्साब ने चश्मा नहीं उतारा। परीक्षार्थी की हैंड राइटिंग तो और भी ब्यूटीफुल थी। अंकित था, 'हे अंकस्वामी, मैंने आज अपना दिल खोलकर आपके सामने फैला दिया है। मेरा आगामी फ्यूचर आपके हाथ है। उबार लीजिए, चाहे डुबा दीजिए।' साथ में एक सौ रुपए का करारा नोट नत्थी था। मास्साब ने गहरी सांस ली। चतुर्दिक देखा। सहकर्मी परीक्षक परीक्षार्थियों का भविष्य दुरुस्त करने में तल्लीन थे। मास्साब की नीयत का मोर, मूल्यांकन कक्ष के जंगल में नाच उठा। जैसा कि होता है, जंगल में मोर नाचा, किसने देखा? सो किसी ने नहीं देखा। सौ का वह नोट मोरपंख बनकर मास्साब की जेब में घुस गया। आज की कॉपी जंचाई में मास्साब को सचमुच बड़ा मजा आया।

अगली तीन-चार कॉपियां ठीक-ठाक बच्चों की थीं। मास्साब को वे सब घामड़ लगे और महाबोर भी। उन्होंने थोड़े मार्क्स दे मारे। किंतु पांचवीं कॉपी झन्नाटेदार थी। उसमें लिखा हुआ था, 'हे संकटमोचक सर या मैडम (क्योंकि मुझे पता नहीं है), जब आप मेरे को भरपूर नंबरों से पास कर दीजिएगा, तब लास्ट पेज खोलिएगा। आपको पांच सौ रुपए का एक नोट दिखेगा। मैंने उत्तीर्ण होने की मनौती मान रखी है। आप भगवान को मेरी तरफ से प्रसाद जरूर चढ़ा दीजिएगा।'

मास्साब ने तत्काल उस विद्यार्थी की कॉपी में पूर्ण लब्धांक टांके। मंदिर कौन जाए? उन्होंने चपरासी को बुलाया और बगल के हलवाई के यहां से दो सौ रुपए के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के मध्य मिष्टान्न वितरण कराया। बाकी के लडडू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

लघुकथा / यशोधरा भटनागर

मैं चाहता हूं

'का, खाना तैयार हो गया? सभी मेहमानों को पहले सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स दीजिएगा। मेहमान भी आते ही होंगे।' हाथ में ब्रेसलेट को लॉक करते हुए मैंने काका से पूछा।

'हओ बहू जी! बस अब्बई लगाए दे रहे।' लॉन का चक्कर लगा कर सारी तैयारियां देख लीं। रोशनी की झिलमिलाती लड़ियां भी सभी अपने-अपने स्थान पर जगमगा रही थीं। बेटे बंटू के जन्मदिन को हम खूब धूमधाम से मनाना चाहते हैं आखिर वह हमारा इकलौता बेटा है। अपने दादी-दादी सबका बहुत दुलारा है।

उत्सव की सारी तैयारियां हो चुकी थीं। मम्मी जी, पापा जी, रवि सभी रेडी होकर लॉन में लगी चेयर्स पर बैठे अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। मुझे भी ऑफिस एक अर्जेंट मेल करना है। सुबह से समय ही नहीं मिला। जल्दी से वह काम भी कर लेती हूं। बंटू को भी रेडी कर दिया है। मेहमानों के आने तक और कोई काम भी नहीं है।

तभी मेरा ध्यान बंटू की ओर गया, झपझपाती लाइटों से चमचमाते पारिजात के पेड़ के नीचे गुमसुम बैठा हुआ है। 'बंटू बेटा, व्हाट हैप्पंड? टुडे इज योर बर्थ डे! सो एंज्वॉय बच्चे।' बंटू के गालों को प्यार से थपथपाते हुए मैंने कहा।

'किसके साथ?' सूनी आंखों से मुझे देखते हुए वह धीरे से बोला।

'ओह बंटू! मुझे बताओ आप क्या चाहते हो?' उसे मनाने के अंदाज में मैंने उससे पूछा। 'मम्मी मैं मोबाइल फोन बनना चाहता हूं। भगवान जी मुझे मोबाइल फोन बना देते तो मैं...।' 'व्हाट..!' मैं सिर से पैर तक झनझना उठी। *

परंपरा / शिखर चंद जैन

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

दुनिया भर के अनेक लोग पुस्तकें पढ़ने का शौक रखते हैं। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न देशों में कुछ अनोखी और आकर्षक साहित्यिक परंपराएं निभाई जाती हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसी परंपराओं के बारे में।

दुनिया भर में मशहूर पुस्तक प्रेम की अनोखी परंपराएं

क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला रूस

अपनी अनोखी पुस्तक-संबंधी प्रदर्शनियों और प्रतिष्ठानों के लिए प्रसिद्ध रूस का यह मेला साइबेरिया की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अन्वेषण को प्रोत्साहित करता है। साइबेरिया के आश्चर्यजनक परिदृश्यों के बीच स्थित, रूस का क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला, साहित्यिक समारोहों की दुनिया में बहुत महत्व रखता है। यह मेला, न केवल लिखित शब्दों का उत्सव मनाता है, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी संजोता है। रूसी साहित्य, स्वदेशी कहानी और अंतरराष्ट्रीय प्रभावों के अनूठे मिश्रण के साथ यह मेला पुस्तक प्रेमियों और संस्कृतिकर्मियों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। विविध पुस्तक स्टालों से भरे व्यस्त बाजारों से लेकर साहित्यिक परिदृश्य पर गहन विचार-विमर्श तक, आगंतुकों को शब्दों की दुनिया में एक गहन यात्रा का आनंद मिलता है। *

जोला बोका फ्लड आइसलैंड

आइसलैंड के अधिकांश लोग नियमित रूप से किताबें पढ़ते हैं। वे किताबें लिखने में भी आगे रहते हैं। जोला बोका फ्लड के नाम से मशहूर 'क्रिसमस बुक फ्लड' समारोह साल के अंत में एक हफ्ते तक आयोजित होता है, जिसमें आइसलैंड के नागरिक एक-दूसरे को किताबें उपहार में देते हैं। अकसर क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, इन पुस्तकों का आदान-प्रदान किया जाता है और फिर तुरंत पढ़ा जाता है। जोला बोका फ्लड, वाक्यांश खरीदी गई नई पुस्तकों की 'बाढ़' को भी संदर्भित करता है। आइसलैंडवासी कहते हैं, 'एड गंगा मेड बोक आई मैगनम', जिसका भावार्थ होता है 'हर किसी के अंदर एक किताब होती है।' *

पढ़ने के साथ आनंद के पल स्वीडन

स्वीडिश लोग आराम के समय किताबें पढ़ना सबसे अधिक पसंद करते हैं। खासतौर पर सर्दियों की लंबी, अंधेरी रातों में स्वीडिश लोग गर्म पेय के साथ कंबल के नीचे दुबके हुए अपनी पसंदीदा किताब पढ़ना खूब पसंद करते हैं। स्वीडन में स्थित अधिकतर पुस्तकालय, अकसर रीडिंग नाइट्स की मेजबानी करते हैं, जिससे सामुदायिक जुड़ाव और साहित्य के प्रति साझा प्रेम को बढ़ावा मिलता है। *

पाठकों की पुस्तक परियां इटली

इटली निवासी अपनी पढ़ी हुई किसी किताब को अपने पास डंप नहीं करते हैं। जब वे अपनी खरीदी हुई पुस्तक पढ़कर समाप्त करते हैं तो पुस्तक को वापस शेल्फ पर रखने के बजाय, वे इसे विशेष स्टिकर और हरा रिबन लगाकर किसी और के लिए सार्वजनिक स्थल पर छोड़ देते हैं। इन किताबों को ट्रेन स्टेशनों, कॉफी की दुकानों, पार्क की बेंचों और अन्य जगहों पर छोड़ दिया जाता है ताकि कोई दूसरा पाठक इन्हें पाकर पढ़ सके। इन्हें पुस्तक परियां कहते हैं। कुछ लोग अपनी किताबों को पार्क की बेंचों के नीचे, स्टोर के साइन बोर्ड के पीछे या बस स्टेशनों में छिपाकर रखना पसंद करते हैं। ताकि उस किताब का दीवाना कोई पाठक उसे पाकर पढ़ सके। पढ़ने के बाद वह फिर से रिबन को लपेटकर अन्य पाठक के लिए दूसरी जगह रख सकता है या पुस्तक को अपने निजी पुस्तकालय के लिए सहेज सकता है। *

स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस चीन

चीनी प्राथमिक विद्यालयों में बेहतर साहित्यिक निर्देश और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए 2007 में स्थापित, स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस का मिशन है 'पढ़ने को वैसा बनाना है जैसा कि होना चाहिए- खुशहाल, मुफ्त और स्वैच्छिक।' छात्र अपनी पसंद की विशिष्ट सामग्री चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। किताबों की गाड़ियां कक्षाओं

से पुस्तकालयों तक लाई जाती हैं और शिक्षक अकसर अपने छात्रों को रोचक पुस्तकें खुद पढ़कर सुनाते हैं। इच्छुक छात्र उन किताबों से प्रेरित होकर नाटक या नाटकीय व्याख्याएं लिखते हैं और उन पर अभिनय भी करते हैं, जो उन्होंने पढ़ी होती है। *

नैनोविमो, संयुक्त राज्य अमेरिका

नैनोविमो आयोजन के तहत लोगों को 30 दिनों में 50,000 शब्दों का उपन्यास लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 1999 में एक पर्सनल डेवलपमेंट चैलेंज के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम इंटरनेट पर एक पॉपुलर इवेंट बन गया है। आधिकारिक तौर पर नैनोविमो, एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो पूरे देश और दुनिया के लेखकों को मजेदार कार्यशालाओं, युक्तियों और ऑनलाइन फोरम के माध्यम से जोड़ता है। यह फोरम उपयोगकर्ताओं को अन्य लेखकों से प्रश्न पूछने, टेंप्लेट एक्सेस करने और कार्यशालाओं के लिए साइन अप करने की अनुमति देते हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह शेफ हो या मैकेनिक, घर पर रहने वाले माता-पिता या शिक्षक, इसमें भाग ले सकते हैं। *

पुस्तक प्रेमियों की सबसे पसंदीदा जगह होती है, पुस्तकालय, जहां जाकर वे मनचाही किताबें पढ़ते हैं। यहां हम आपको एक ऐसी लाइब्रेरी के बारे में बता रहे हैं, जो अपने पाठकों तक खुद पहुंचती है। जानिए, उत्तराखंड की अनोखी घोड़ा लाइब्रेरी के बारे में।

दूर-दराज तक किताबें पहुंचाती घोड़ा लाइब्रेरी

अनोखी पहल

डॉ. दीपक कोहली

घोड़ा लाइब्रेरी से अपनी मनपसंद किताबें चुनते युवा पाठक

लाइब्रेरी, यानी पुस्तकालय। एक ऐसी जगह, जहां ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, कला, दर्शन आदि अनेक विषयों से संबंधित पुस्तकों को सहेजकर रखा जाता है। वैसे तो दुनिया में एक से बढ़कर एक पुस्तकालय हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे चलते-फिरते पुस्तकालय के बारे में बता रहे हैं, जो अपने अनूठेपन के कारण पुस्तक प्रेमियों के बीच बहुत चर्चित है।

कहां है घोड़ा लाइब्रेरीः उत्तराखंड के नैनीताल की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अपने अनूठे शिक्षा अभियान विस्तार कार्यक्रम के लिए लोगों के बीच चर्चित हो रही है। वैसे तो यह मुख्य रूप से बच्चों के लिए शुरू की गई लाइब्रेरी है, लेकिन अपने अनोखेपन के कारण बड़ों के बीच भी कौतुक का विषय बना हुआ है। बच्चों के साथ-साथ बड़े भी इस लाइब्रेरी का लाभ उठाते हैं।

ऐसे नाम पड़ाः इस पुस्तकालय का नाम घोड़ा लाइब्रेरी इसलिए पड़ा क्योंकि एक घोड़ा अपनी पीठ पर किताबों की गठरी लेकर नैनीताल के कई गांवों में घूमता रहता है। घोड़ों के जरिए सड़क से दूर बसे दुर्गम गांवों के बच्चों के लिए किताबें पहुंचाई जा रही हैं। इनमें कोर्स की किताबों के साथ मनोरंजक और ज्ञानवर्धक साहित्य एवं पत्रिकाएं भी शामिल होती हैं।

ऐसे हुई शुरुआतः उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में दूरदराज के हिस्सों में, जहां सामान्य जीवन की जरूरतों को पूरा करना कठिन है। ऐसे में स्कूली छात्रों को उनकी जरूरत की किताबें मुहैया कराना बेहद मुश्किल होता है। साथ ही पत्रिकाएं और साहित्य पढ़ने में रुचि रखने वाले लोगों के लिए भी पत्र-पत्रिकाएं आमतौर पर उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांवों के बच्चों और बड़ों तक कोर्स की किताबों के साथ-साथ विभिन्न विषयों की किताबें और पत्र-पत्रिकाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय निवासी शुभम बधानी के दिमाग में इस अनोखी लाइब्रेरी को शुरू करने का आइडिया आया। बधानी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट के तहत पहले उन गांवों को चुना गया, जो मुख्य सड़क से दूर स्थित हैं। जहां पहुंचने के लिए पहाड़ी नालों और झरनों को पैदल पार करना पड़ता है। तय किया गया कि इन गांवों में घोड़ों पर रखकर किताबें पहुंचाई जाएं।

कैसे काम करती है लाइब्रेरीः इस लाइब्रेरी के संचालन के बारे में शुभम बधानी बताते हैं कि वे गांव के शिक्षकों और स्वयंसेवकों के साथ बच्चों से मिलकर पहले उनकी रुचि समझते हैं और उसी के अनुसार किताबें लेकर आते हैं। घोड़ा लाइब्रेरी का घोड़ा कई गांवों में उन लोगों के लिए रुकता है, जो पढ़ने के इच्छुक हैं। साप्ताहिक ट्रिप के माध्यम से एक ट्रिप में बच्चों को किताबें भेजी जाती हैं और अगले ट्रिप में दी गई किताबें वापस ले ली जाती हैं और नई किताबें उन्हें उपलब्ध कराई जाती हैं।

सुदूरवर्ती गांवों तक है पहुंचः आज उत्तराखंड के नैनीताल में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में इस लाइब्रेरी का भरपूर लाभ उठाया जा रहा है। हर वर्ग के छात्र और उनके अभिभावक भी इस अद्वितीय पोर्टेबल लाइब्रेरी का उपयोग कर रहे हैं। गांवों में बच्चों को अब पुस्तकें और अन्य अध्ययन सामग्री मिलने लगी हैं।

मिसाल है यह प्रयासः शहरी क्षेत्रों की बात करें, तो वहां लोगों को अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए तमाम साधन उपलब्ध होते हैं, जैसे- टीवी, विशाल पुस्तकालय, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण संस्थान इत्यादि। इनके माध्यम से शहरी निवासियों को तमाम जानकारी आसानी से मिल जाती हैं। लेकिन सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में रहने वाले बच्चों और बड़ों के लिए इन सुविधाओं की उपलब्धता मुश्किल है। अभी भी सैकड़ों दूर-दराज के गांव ऐसे हैं, जो इंटरनेट से नहीं जुड़े हैं। अभी भी लाखों बच्चे हैं, जो बाहरी दुनिया के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांव के लोगों के हाथ में अच्छी किताबों का आना, किताबें पढ़ने का मौका मिलना एक सपने के सच होने जैसा है।

शिक्षा के प्रचार-प्रसार और पढ़ने की आदत विकसित करने की दिशा में शुभम बधानी की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी है। बच्चों के माता-पिता और अन्य ग्रामीणों की भागीदारी की वजह से यह अभियान दिनों-दिन सफल हो रहा है। *

सक्सेस मंत्रा

अंजू जैन

दुनिया के सफलतम लोगों की जीवनयात्रा पर निगाह डालें तो पाएंगे कि उन सभी में अपने काम के प्रति भरपूर प्यार रहा है। सफलता पाने के लिए लगन और समर्पण कितना मायने रखता है, आप जरूर जानना चाहेंगे।

काम से करें प्यार तो सफलता मिले अपार

कई बार मन में सवाल उठता है कि दुनिया में कुछ ही लोग इतने सफल, चर्चित और समृद्ध क्यों होते हैं, जबकि ज्यादातर लोग एक औसत और गुमनाम सा जीवन जीते हैं? इसकी कई वजहें होती हैं, इनमें से कुछ के बारे में यहां जानते हैं।

कर्म को मानते हैं पूजा

वैसे तो दुनिया में लगभग सभी लोग अपनी आजीविका के लिए या नाम कमाने के लिए कुछ न कुछ काम करते हैं। लेकिन कुछ लोग ज्यादातर लोगों से बहुत आगे निकलकर अपने क्षेत्र में, कुछ अपने जिले या राज्य में और कुछ लोग इससे भी आगे बढ़कर देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना लेते हैं। उनके पास नाम, शोहरत, पैसा, सफलता सब कुछ होता है। जानते हैं क्यों? क्योंकि ये उन ज्यादातर लोगों में से नहीं होते, जो बेमन या मजबूरी में अपने काम को करते हैं। ये उन चंद लोगों में से होते हैं, जो अपने काम में पूरी तन्मयता से डूबे रहते हैं। दिन-रात उल्लास और उमंग से मेहनत करते हैं और धैर्यपूर्वक अच्छे नतीजे का इंतजार करते हैं। ऐसे लोगों का जीवनमंत्र होता है- कर्म ही पूजा है।

अपने काम से करें प्यार

आज के समय में सुनीता विलियम्स जैसी अंतरिक्ष यात्री हों या विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी, अंबानी, टाटा और अडानी जैसे उद्योगपति हों या अमिताभ बच्चन, शाहरुख जैसे एक्टर, इन्हें कौन नहीं जानता! ऐसे कई सारे लोग दुनिया में हैं, जो विश्वविख्यात हैं और सफलता के चरम पर हैं। हर कोई जानता है कि उनकी जिंदगी, काम और राह आसान कभी नहीं थे। इन्होंने अपने जीवन में अभूतपूर्व कठिन और जटिल परिस्थितियों का सामना किया। हार-जीत और आशा-निराशा के भंवर से न जाने कितनी बार जूझे हैं। कई बार इन्होंने खुद को उल्लास, उमंग, प्रशंसा और सफलता के शिखर पर महसूस किया और कई बार ऐसा भी महसूस किया कि मानो सब कुछ समाप्त हो चुका है और वे इतने नीचे जा चुके हैं कि आगे कुछ भी नहीं बचा। लेकिन इन्होंने कभी यह नहीं कहा कि मुझे यह सब अच्छा नहीं लगता

या काम में मेरा मन नहीं लगता। जानते हैं क्यों? क्योंकि इन्होंने अपने काम से जी भर कर प्यार किया, उसे ही अपना सब कुछ समझा और हमेशा धैर्य बनाए रखा। इसलिए आज सफल और महान लोगों की सूची में इनका नाम है। हाल ही अंतरिक्ष में करीब 9 महीने तक विषम परिस्थितियों में रहकर लौटी सुनीता विलियम्स ने कहा है, 'अगर आप मन लगाएं, दृढ़ संकल्प रखें और कोई रास्ता खोजें तो आप जो करना चाहें कर सकते हैं। आप कभी खुद को किसी चीज में जकड़ा हुआ महसूस ना करें। कुछ ऐसा खोजें जो आपको पसंद है। जैसे ही वह मिल जाए, आप उसे पूरे मन से अच्छी तरह करें, बस यही महत्वपूर्ण है।'

सकारात्मक दृष्टिकोण है जरूरी

सफलता और सुकून सकारात्मकता से ही मिलते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण वाले व्यक्ति अगर सफलता के शिखर पर हैं और समस्याओं का बेहतर तरीके से समाधान कर पाते हैं तो यह कोई जादू नहीं है बल्कि सीधा सरल विज्ञान है। इसका संबंध हमारे मस्तिष्क की क्षमताओं और इमोशनल इंटेलिजेंस से है। यह नतीजा 30 वर्षों के शोध से प्राप्त हुआ है, जो नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस लैबोरेट्री की प्रोफेसर बारबरा फ्रेडरिक के नेतृत्व में हुआ है। ब्रेन न्यूरॉन्स की आवाजाही पर आधारित अध्ययन बताते हैं कि सकारात्मक लोगों के मस्तिष्क का वेंट्रल टैगमैंटल एरिया अधिक सक्रिय होता है, जो उन्हें आशावादी बनाता है। सकारात्मक लोगों के ब्रेन के सर्किट्स उन्हें नए विचारों के लिए खुला बनाते हैं। हमारा सामाजिक व्यवहार कैसा होगा से लेकर हम समस्याओं को कैसे सुलझाते हैं, यह सब ब्रेन सर्किट से ही तय होता है। अपने मस्तिष्क को सकारात्मकता के लिए अधिक सक्षम बनाने के लिए निरंतर सकारात्मक दृष्टिकोण वाली भाषा का इस्तेमाल करना, चीजों के उजले पहलुओं को देखना और ऐसे सवाल पूछना जरूरी है, जो किसी भी परिस्थिति में सर्वश्रेष्ठ हल खोज कर उन्हें बेहतर बनाने पर केंद्रित हों। किसी ने बिल्कुल सही कहा है, परिस्थिति से सोच नहीं बनती बल्कि सोच से परिस्थिति बनती है।

मेहनत के साथ समर्पण जरूरी

जिन लोगों ने इस दुनिया में सफलता, नाम, दौलत और शोहरत पाई है, उन्होंने अपने काम को जी-जान से चाहा है। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान हों या अल्बर्ट आइंस्टीन, रतन टाटा हों या स्टीव जॉब्स, ये सभी अपने काम के प्रति पूर्ण समर्पित थे। ये सभी अपने काम को जुनून की हद तक चाहते थे। आपको यह मान कर चलना चाहिए कि आपकी प्रतिभा और आपका जीवन ईश्वर का अनमोल उपहार है। परफेक्शन और अच्छा नतीजा निरंतर एक्शन और समर्पण से ही आता है। अपना काम कीजिए और बाकी ईश्वर पर छोड़ दीजिए। यही महान धर्म ग्रंथ 'गीता' में भी कहा गया है। *

बड़ा पर्दा

हेमंत पाल

भक्ति के अनेक तरीकों में से एक है भक्ति गीतों यानी भजन के माध्यम से ईश्वर को याद करना। अनेक हिंदी फिल्मों में फिल्माए गए भक्ति गीतों को लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं। घरों और मंदिरों में ये गीत श्रद्धा-भक्ति के साथ सुने-सुनाए जाते हैं। भक्ति गीतों से सजी ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

भक्ति-गीतों से सजी यादगार हिंदी फिल्में

आज भी लोकप्रिय है फिल्म 'सुहाग' का भक्ति गीत

दर्शकों को खूब पसंद आई फिल्म 'जय संतोषी मां'

भगवान की भक्ति के लिए गीत या भजन गाना और सुनना बहुत लोकप्रिय है। फिल्मों में अकसर दिखाया जाता है कि किस तरह एक भजन सारे बुरे हालात बदल देता है। खास बात यह भी कि धार्मिक फिल्मों में ही भक्ति गीत हों, यह जरूरी नहीं। कई मल्टीस्टार एक्शन और रोमांटिक फिल्मों में भी ऐसे कई भक्ति गीत फिल्माए गए, जो लोकप्रिय हुए और आज भी इन्हें सुना जाता है।

शुरुआती दौर से जारी है सिलसिलाः फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो हम पाते हैं कि ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों के जमाने से ही भक्ति गीतों को फिल्मों में शामिल किया जाता रहा है। उस दौर की कुछ फिल्मों के भक्ति गीत और भजन आज भी इतने लोकप्रिय हैं कि तीज-त्योहार पर ये बजते सुनाई देते हैं। फिल्मों ने ऐसे कई भजन और भक्ति गीत दिए हैं, जिन्हें सुनकर और गाकर कुछ पलों के लिए हम अपने दुःख भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में मन में विश्वास की एक ज्योति जल उठती है।

भरपूर सफल हुई 'जय संतोषी मां': धार्मिक फिल्मों और उसके प्रसिद्ध भक्ति गीतों की बात करें, तो 'जय संतोषी मां' को एक मिसाल के तौर पर देखा जा सकता है। 1975 में आई कम बजट की फिल्म 'जय संतोषी मां' को अपार सफलता मिली थी। इस फिल्म की गिनती अब तक की श्रेष्ठ ब्लॉकबस्टर फिल्मों में होती है। फिल्म की अपार सफलता में इस फिल्म के सभी गीतों का भी बड़ा योगदान था। उषा मंगेशकर, महेंद्र कपूर और मन्ना डे ने कवि प्रदीप के लिखे भक्ति गीत गाए थे। 'करती हूं तुम्हारा व्रत मैं स्वीकार करो मां', 'यहां-वहां जहां-तहां मत पूछो कहां-कहां', 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'मदद करो संतोषी माता', 'जय संतोषी मां', 'मत रो मत रो आज राधिके', फिल्म के सभी गीत उन दिनों तो खूब प्रचलित हुए ही, आज भी सुने जाते हैं। लोगों में इस फिल्म एवं इसके कलाकारों के प्रति भक्ति-भाव का ये आलम था कि फिल्म में माता संतोषी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अनीता गुहा को लोग पूजने लगे थे। 'जय संतोषी मां' में अभिनय करने वाले महिपाल ने भी अपने जीवन काल में 'संपूर्ण रामायण', 'वीर भीमसेन', 'वीर हनुमान', 'हनुमान पाताल विजय', जैसी सफल धार्मिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने करियर में भगवान राम, कृष्ण, गणेश और विष्णु का किरदार इतनी बार निभाया कि असल जिंदगी में भी लोग इन्हें पूजने लगे थे।

'सुहाग' का यादगार भक्ति गीतः 1979 में अमिताभ बच्चन और शशि कपूर की फिल्म 'सुहाग' आई थी, जिसमें मां दुर्गा की भक्ति पर गाया गया भजन 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरोवाली' काफी लोकप्रिय हुआ था। फिल्म के इस भक्ति-गीत में अमिताभ और रेखा ने गरबा भी किया था। आशा भोसले और मोहम्मद रफी की आवाज ने इस गीत को यादगार बना दिया। आज भी नवरात्र और देवी पूजन के अन्य अवसरों पर यह गीत सुनाई देता है।

लंबी है फेहरिस्तः शुरुआत से लेकर अब तक की हिंदी फिल्मों की

बात करें, तो भक्ति गीतों से सजी हिंदी फिल्मों की लंबी फेहरिस्त है। याद किया जाए तो ऐसे कालजयी भक्ति गीतों में 1965 में आई फिल्म 'खानदान' के गीत 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके बृजबाला' को रखा जा सकता है। इस भजन को सुनील दत्त पर फिल्माया गया था। राजेंद्र कृष्ण के लिखे इस भजन को मोहम्मद रफी ने गाया था। जन्माष्टमी के अवसर पर अभी भी ये गीत गूंजता है। उससे पहले 1952 में आई फिल्म 'बैजू बावरा' का गीत मोहम्मद रफी की हिंदू भजनों के प्रति लगाव का सबसे बेहतर प्रमाण कहा जा सकता है। 'ओ दुनिया के रखवाले, सुन दर्द भरे मेरे नाले' के बोल आज भी किसी दुखी व्यक्ति का चेहरा सामने ले आते हैं। शकील बदायूंनी के लिखे इस गीत में नौशाद ने संगीत दिया था। 1954 में आई फिल्म 'तुलसीदास' के गीत 'मुझे अपनी शरण में ले लो राम' को भी मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी और बीते जमाने के विख्यात संगीतकार चित्रगुप्त ने इसे संगीत से सजाया था। गीत में राम को आराध्य मानकर अपना सब कुछ अर्पण करने की बात कही गई है।

ये तो बस कुछ उदाहरण मात्र हैं। ऐसे कितने ही भक्ति गीत हैं, जिसने फिल्म की सफलता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका तो निभाई ही, आस्थावान दर्शकों एवं भक्तों के हृदय में भक्ति-भाव को भी प्रबल किया। *